



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 90 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 28, 2000/वैशाख 8, 1922

No. 90 ]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 28, 2000/VAISAKHA 8, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2000

## प्रारम्भिक निष्कर्ष

**विषय:-** यूके, फ्रांस एवं हंगरी से ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर जिसमें रेजिन कोटेड/फाइबर आधारित दोनों पेपर शामिल हैं, के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच

सं. 19/1/99-डीजीएडी.—1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

### क. प्रक्रिया

1. जांच के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:
- i. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है को उपरोक्त नियमावली के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता मै0 दि न्यू इंडियान इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एनआईआई) तथा मै. हिन्दुस्तान फोटो फिल्मस मैन्युफेक्चरिंग कम्पनी लि. (एचपीएफ) जिनके पंजीकृत कार्यालय क्रमशः जेतलपुर रोड, पोस्ट बाक्स सं. 2511, बडौदा-390005 तथा पोस्ट बैग सं.-1, इन्दु नगर, उटकमंड 643005 में स्थित हैं, से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें यू.के., फ्रांस, हंगरी तथा चैक गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर जिसमें रेजिन कोटेड/फाइबर आधारित दोनों पेपर शामिल हैं, (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है।

- ii. याचिकाकर्ता द्वारा दायर की गई याचिका की प्रारंभिक जांच से कतिपय कमियों का पता चला जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया था । इसलिए याचिका को समुचित ढंग से प्रलेखित माना गया था ।
- iii. जांच अवधि अर्थात् 1.4.98 से 30.6.99 तक के दौरान चैक गणराज्य से हुए आयात न्यूनतम पाए गए थे और इसलिए चैक गणराज्य को जांच के दायर से बाहर रखा गया था। याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी ने यू.के., फ्रांस तथा हंगरी (जिन्हे एतद्पश्चात् संबद्ध देश भी कहा गया है) से संबद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ जांच आरम्भ करने का निर्णय किया । प्राधिकारी ने नियमावली के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप के प्राप्त होने की सूचना नई दिल्ली स्थित यू.के, फ्रांस तथा हंगरी के दूतावासों को दी ।
- iv. प्राधिकारी ने सीमाशुल्क अधिनियम 11975 की अनुसूची-1 के सीमाशुल्क कोड 3703.10 तथा 3703.90 के अन्तर्गत वर्गीकृत यू.के, फ्रांस तथा हंगरी के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरम्भ करते हुए तारीख 27.8.99 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।
- v. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग एसोशिएशनों को भेजी थी, और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया ।
- vi. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों (जिनका विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी तथा उनसे पत्र जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप से देने के लिए कहा ।
- vii. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में सबद्ध वस्तु के हुए आयातों का ब्यौरा देने का अनुरोध किया गया था ।
- viii. प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों एवं संबद्ध देशों के दूतावासों को भेजी । याचिका की एक प्रति अन्य हितबद्ध पार्टियों को भी अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई गई ।
- ix. प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी ।

1. मै. इलफोर्ड लि. बुसेल्स
2. मै. अगफा-जिवायर्ट एसए मार्फत मै. बेयर इंडिया लि., नई दिल्ली ।
3. मै. केन्टमेर लि., यूके
4. मै. फोर्ट फोटो केमिकल कम्पनी, हंगरी
5. मै. केमोफोर्ट ट्रेडिंग लि. हंगरी ।

अनेक पार्टियों ने सूचना प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाने हेतु अनुरोध किया जिसे प्राधिकारी द्वारा उचित कारण के आधार पर 15.11.99 तक बढ़ाने की अनुमति दी गई ।

- x. नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच आरम्भ किए जाने के बारे में सूचना दी गई थी और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर भेजने के लिए कहने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका एवं प्रश्नावली की प्रतिज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित उक्त दूतावासों को भी भेजी गई थी।
- xi. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपयोगकर्ता एशोसिएशनों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी:
1. एलाइड फोटोग्राफिक्स इंडिया लि. (एपीआईएल) मुम्बई।
  2. मै. जिन्दल फोटो फिल्मस लि. नई दिल्ली।
  3. मै. टेक्नो फोटो प्रा. लि., उत्तर प्रदेश।
  4. मै. सुन्दर इन्टरनेशनल, मुम्बई।

अनेक पार्टियों ने सूचना दायर करने के लिए समय बढ़ाने हेतु अनुरोध किया जिसे प्राधिकारी द्वारा उचित कारण के आधार पर 15.11.99 तक बढ़ाने की अनुमति दी गई थी।

प्रश्नावली/अधूसूचना का निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा उत्तर दिया गया था।

1. मै. केन्टमेर फोटो ग्राफिक लि., यू. के.।
2. मै. इलफोर्ड इमेजिंग लि., यू. के.।
3. मै. फोर्ट फोटोकैमिकल कम्पनी लि. हंगरी।
4. मै. अगफा-जिबायर्ट एजी, जर्मनी।

प्रश्नावली/अधिसूचना का निम्नलिखित आयातकों/उपयोगकर्ता एशोसिएशनों द्वारा उत्तर दिया गया था।

1. मै. जिन्दल फोटो फिल्मस लि. नई दिल्ली।
2. मै. टेक्नो फोटो प्रा. लि., उत्तर प्रदेश।
3. मै. दिल्ली प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स एशोसिएशन, नई दिल्ली।
4. मै. एलाइड फोटोग्राफिक्स इंडिया लि. (एपीआईएल), मुम्बई।

xii. क्षति एवं विचाराधीन उत्पाद के बारे में याचिकाकर्ता(ओं) से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो उन्होंने दे दी थी। याचिकाकर्ता द्वारा क्षति एवं उत्पादन लागत की सूचना उपलब्ध करा दी गई थी।

xiii. प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सीमा तक याचिकाकर्ता(ओं) के परिसरों की मौके पर जांच की।

xiv. प्राधिकारी ने, उसके द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा देखने के लिए खुला रखा।

xv. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों (जीएएपी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत तथा उक्त वस्तु को बनाने और बेचने की न्यूनतम लागत का हिसाब लगाने के लिए लागत जांच भी की गई थी।

- xvi. \*\*\*\* यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का द्योतक है तथा प्राधिकारी द्वारा नियमों के अन्तर्गत उसे ऐसा ही माना गया है ।
- xvii. जांच 1.4.98 से 30.6.99 तक की अवधि अर्थात् जांच अवधि के लिए की गई थी ।

ख. निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

1. याचिकाकर्ता के विचार

क. विचाराधीन उत्पाद के बारे में

1. विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क टैरिफ उपशीर्ष सं. 3703.10 तथा 3703.90 के अन्तर्गत वर्गीकृत रेजिन कोटेड और फाइबर आधारित दोनों पेपर समेत ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर है । फोटोग्राफिक पेपर का इस्तेमाल पोजिटिव प्रिन्ट निकालने तथा निगेटिव से बड़ा प्रिन्ट निकालने में होता है ।

फोटोग्राफिक पेपर की तकनीकी विनिर्देशनों का उल्लेख कंट्रास्ट प्रतिसंवेदनशीलता प्रिंटिंग रेंज इमेज टोन ग्रामेज, सर्विस टेक्सचर इत्यादि के संबंध में किया जाता है , रेजिन कोटेड एवं फाइबर आधारित दोनों ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर का उत्पादन कोटिंग तकनीक के प्रयोग से कच्चे मूल पेपर पर रासायनिक मिश्रण की कोटिंग करके किया जाता है । आरसी टाइप तथा फाइबर आधारित फोटोग्राफिक पेपर के लिए अपेक्षित पेपर एवं मिश्रण भिन्न-भिन्न होते हैं । भारी कोटेड रोलों को उसके बाद वाणिज्यिक माप से काट कर पैक किया जाता है ।

ख. घरेलू उद्योग के संबंध में

1. भारत में ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटो ग्राफिक पेपर के तीन उत्पादनकर्ता हैं अर्थात् मै. एनआईआई, मै. एचपीएफ और मै. रविशंकर। मै. एचपीएफ मुख्यतः आर्डर पर उजरती कार्य करता है और मै. रविशंकर ने कार्य कलाप बन्द कर दिए हैं ।
2. मै. एनआईआई तथा एपीआईएल के बीच संबंध के बारे में 15.7.99 को अधिसूचित संशोधित पाटनरोधी नियम मौजूदा जांच पर लागू होंगे । निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास ऐसी किसी कम्पनी के संबंध तथा उसे शामिल करने/अलग करने संबंधी मुद्दे के बारे में विवेकाधिकार होगा जो किसी निर्यातक, किसी आयातक से संबंधित हैं या वह स्वयं सबद्ध वस्तु का निर्यातक हैं । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा कई मामलों में संशोधित नियम लागू किए गए हैं । ईयू में ऐसे कई ऐसे मामले हैं जहां सामुदाय के प्राधिकारियों द्वारा आयातक को घरेलू उद्योग के दायरे में लिया गया है ।
3. मै. एनआईआई तथा मै. एपीआईएल पब्लिक लि. कंपनियां हैं तथा जो कम्पनी अधिनियम और उनके एशोसिएशन के ज्ञापन एवं एशोसिएशन के अन्तर्नियमों द्वारा शासित होती है । दानों कम्पनियों का दिन प्रतिदिन का कार्य चालन प्रत्येक कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक के अधिकार क्षेत्र में आता है, जो व्यावसायिक व्यक्ति होते हैं और इसलिए दोनों कम्पनियों का दिन प्रतिदिन का कार्य एक दूसरे से जुड़ा हुआ नहीं है ।
4. सामान्य निदेशक किसी भी हालात में किसी निर्णय को प्रभावित नहीं कर सकता क्योंकि उसके पास आवश्यक कोरम का अभाव होता है और न ही उन्हें हितबद्ध मुद्दों पर चर्चा करने की अनुमति होती है ।

5. सामान्य निदेशक ऐसी किसी हर हालत में कम्पनी जिसमें उसके हित निहित हों से संबंधित मामलों में भाग लेने के लिए कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 30 के कारण विवश होता है ।
6. मै. एनआईआई तथा मै. एपीआईएल के संबंध के प्रश्न पर 1969 में तथा 1974 में सरकारी निकायों द्वारा विचार किया गया है । और 1987 में उच्च न्यायालय ने, लगाए गए उत्पाद शुल्क की वापसी के लिए आदेश पारित किए ।
7. मै. एनआईआई तथा मै. एपीआईएल मूलतः निदेशक बोर्ड द्वारा चलाई जाती है जो व्यापार से संबंधित सभी पहलुओं पर नियंत्रण रखते हैं । उन्हें केवल उन मामलों में शेयर धारकों को सूचित करना होता है जो कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 293 के अन्तर्गत आते हैं ।
8. किसी व्यक्ति अथवा कम्पनी द्वारा मात्र निवेशों के कारण दूसरे पर नियंत्रण नहीं रखा जा सकता ।
9. मैसर्स एनआईआई का पूरा मामला यह है कि मैसर्स एपीआईएल ने सामग्री का आयात किया है जिसकी वजह से कम्पनी को वास्तविक क्षति हुई है ।

**ग. समान वस्तु के बारे में**

1. याचिकाकर्ता के उत्पाद और संबंध देशों से निर्यातित फोटोग्राफिक पेपर में कोई खास अंतर नहीं है । दोनों ही उत्पाद भौतिक गुणों, (आकार, रासायनिक संरचना और कच्ची सामग्री) विनिर्माण प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण के अनुसार एक जैसे हैं ।
2. याचिकाकर्ताओं और संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा यथा प्रयुक्त उत्पादन प्रक्रिया में कोई खास अंतर नहीं है जिसका कोटिंग तकनीक में कुछ भिन्नताओं को छोड़कर कीमत पर कोई प्रभाव पड़ सकता हो ।

**घ. पाटन के बारे में**

1. यू.के., फ्रांस और हंगरी में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य यूके में संबद्ध वस्तु की बिक्री हेतु कीमत सूची के आधार पर दर्शाया गया है । धारा 9क (1) ग(1) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य समान वस्तु की तुलनीय कीमत से है जब वह वस्तु निर्यातक देश अथवा क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो । ईयू के सदस्य होने के नाते फ्रांस और हंगरी के लिए सामान्य मूल्य का संदर्भ यूके के लिए प्रस्तुत कीमत की सूची से भी लिया जा सकता है ।
2. इन देशों से हुए निर्यात की कीमत गौण स्त्रोत अर्थात् सूचनादाता से संकलित सूचना से स्पष्ट होती है । क्योंकि डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़ों में केवल भार.मी.टन में दिया जाता है और संबद्ध वस्तु का आयात देश में विभिन्न मूल्य वर्गों में किया जाता है ।
3. पैकिंग, निकासी और अग्रेषण के लिए निर्यात कीमत का समायोजन क्रमशः \*\*\*\* डालर/वर्ग मी. की सीमा तक किया जा सकता है ।

**ड. क्षति के बारे में**

1. फोटोग्राफिक कागज का आयात बढ़ रहा है और भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आ रही है ।
2. संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों में वृद्धि होने के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आ रही है । मैसर्स एनआईआई ने अपना उत्पादन घटा दिया है और मैसर्स एचपीएफ ने जॉब आर्डरों को छोड़कर अपना उत्पादन बन्द कर दिया है । मैसर्स एनआईआई का क्षमता उपयोग जो वर्ष 93-94 में 79.64% था वह वर्ष 96-97 में घटकर 58.8% हो गया और तब से यह इसी स्तर पर बना हुआ है आयातों में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में गिरावट आ रही है ।
3. संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण भारत में संबद्ध वस्तु की कीमत में कमी आयी है ।
4. मैसर्स एपीआईएल द्वारा आयातों में वृद्धि करने से भारतीय उद्योग के लिए बाजारों का नुकसान हुआ है ।
5. कम बिक्री और उत्पादन के बावजूद उद्योग को उत्पाद श्रमिक प्रतिष्ठानों के रोजगार स्तर को बनाए रखना पड़ता है ।
6. पिछले पांच वर्षों में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट आई है ।
7. भारत में ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर की मांग में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है । रंगीन फोटोग्राफिक पेपर के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए यद्यपि ब्लैक एण्ड व्हाइट पेपर की मांग उस सीमा तक नहीं बढ़ी है जिस सीमा तक इसे बढ़ना चाहिए था, तथापि मांग में अधिक मात्रा में गिरावट नहीं आई है । अतः मांग में आए परिवर्तन घरेलू उद्योग को हुई किसी क्षतिको कारण नहीं बन सकते ।

**१. निर्यातक के विचार****क विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में**

मैसर्स फोर्टे फिल्मस एण्ड पेपर, हंगरी ने निम्नलिखित अनुरोध किया है -

1. उनके द्वारा भारत को डिलीवर किए गए उत्पादों की दो किस्में हैं, दोनों मुख्य रूप से 18x24 सेमी. आकार की हैं अर्थात् फाइबर आधारित दोगुने भार वाला फोटो पेपर और रेजिन कोटेड आरसी फोटो पेपर

मैसर्स इलफोर्ड इमेजिंग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं-

1. मैसर्स एचपीएफ ने जांच अवधि के दौरान रेजिन कोटेड पेपर का कोई उत्पादन नहीं किया है । अतः इस उत्पाद का कोई भी घरेलू उत्पादक नहीं होगा ।
2. जम्बो रोलों के फोटोग्राफिक पेपर और काटे गए एवं परिष्कृत पेपर के बीच अंतर होता है । क्योंकि रोलों के लिए काटे गए एवं परिष्कृत रूप में बाजार में बिक्री करने से पूर्व आगे और प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग की जरूरत पड़ती है ।

3. घरेलू उद्योग का अस्तित्व परिष्कृत एवं काटे गए फोटोग्राफिक पेपर पर निर्भर है। दोनों घरेलू उत्पादकों में से कोई भी उत्पादक जम्बो रोलों में ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर की बिक्री नहीं कर रहा है जो एक औद्योगिक कच्ची सामग्री है और अपनी पहचान एवं कार्य में काटे गए एवं परिष्कृत पेपर से भिन्न है। भारत में विनिर्मित एवं बिक्री किए जा रहे जम्बो रोलों में फोटोग्राफिक पेपर के समान कोई दूसरा उत्पाद न होने से इस उत्पाद का कोई घरेलू उद्योग नहीं है और इसलिए जांच को परिष्कृत एवं इस्तेमाल के लिए तैयार रूप में ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर के निर्यात तक सीमित किए जाने की जरूरत है।
4. जम्बो रोलों में ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर वाणिज्यिक एवं कानूनी रूप से परिष्कृत एवं इस्तेमाल के लिए तैयार पेपर से तुलनीय नहीं है। इन उत्पादों की विभिन्न बाजारों में अलग-अलग कीमत है और इनकी उत्पादन लागत भी अलग-अलग है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जिस ढंग से ये दोनों उत्पाद बेचे जाते हैं वह भी अलग-अलग है। इन दोनों उत्पादों का कार्य चालन अन्तर परिवर्तनीय नहीं है। भारतीय कानून के अनुसार फोटोग्राफिक पेपर को जम्बो रोलों से परिष्कृत उत्पादों में बदलने की प्रक्रिया को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा जारी एक परिपत्र द्वारा एक विनिर्माण प्रक्रिया माना गया है। अतः जम्बो रोलों में ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर के लिए कोई घरेलू उद्योग नहीं है।

**ख. घरेलू उद्योग के बारे में**  
**मैसर्स इलफोर्ड ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं -**

1. मैसर्स एनआईआई और मैसर्स एपीआईएल संबंधित व्यक्ति की परिभाषा के अंतर्गत आते हैं क्योंकि मैसर्स एनआईआई, मैसर्स एपीआईएल में एक महत्वपूर्ण शेयर धारक है। दोनों कम्पनियां समान प्रबंधन अर्थात् श्री जीडी दिय्या के अधीन काम करती हैं जो शिकायतकर्ता कम्पनी के अध्यक्ष हैं और मैसर्स एपीआईएल में निदेशक भी हैं।
2. मैसर्स एनआईआई अपने उत्पादों का एक बड़ा हिस्सा मैसर्स एपीआईएल को बेचता है जिससे उसे उसके लाभ मिलते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों कम्पनियों के बीच अतिरिक्त वाणिज्यिक सम्बन्ध हैं।
3. मैसर्स एपीआईएल ब्राण्ड नाम "स्टेरलिंग" का इस्तेमाल करता है जो सभी फोटो सैन्सीटाइज्ड सामग्रियों के लिए मैसर्स एनआईआई के लिए पंजीकृत ब्राण्ड नाम है। यह स्पष्ट नहीं है कि मैसर्स एनआईआई जो मैसर्स इलफोर्ड से होने वाले आयातों के कारण असंतुष्ट होने का दावा करता है, ने अपने निजी ब्राण्ड नाम के तहत कंचित पाटित आयातों के समान को बचने की इजाजत क्यों दी है। इससे यह पता चलता है कि मैसर्स एपीआईएल प्रचालन की दृष्टि से मैसर्स एनआईआई को निर्देश देने अथवा उस पर रोक लगाने की स्थिति में है। साथ ही मैसर्स एपीआईएल के तुलन-पत्र से यह भी स्पष्ट नहीं होता है कि मैसर्स एपीआईएल ने इस ब्राण्ड नाम का इस्तेमाल करने के लिए मैसर्स एनआईआई को कोई भुगतान किया है।

4. मैसर्स ईलफोर्ड और मैसर्स एपीआईएल के बीच 'स्टर्लिंग' ब्राण्ड नाम से भारत में मैसर्स ईलफोर्ड के पेपर की बिक्री करने हेतु एक कानूनी करार है जिस पर श्री जी.डी. धिया ने हस्ताक्षर किए हैं।
5. माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने कई मामलों में यह निर्णय दिया है कि 'कम्पनी के अस्तित्व पर लगे कानूनी मुद्दों पर से पर्दा हटाया जा सकता है ताकि इसके पीछे की आर्थिक वास्तविकताओं का पता चल सके। डीए को कम्पनी पर पड़े पर्दे को हटाने में और उस व्यक्ति अथवा व्यक्तियों की जांच करने में संकोच नहीं करना चाहिए जिनकी इन दोनों कम्पनियों में मुख्य भूमिका है।

**ग. समान वस्तु के बारे में  
मैसर्स इलफोर्ड ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:-**

1. परिष्कृत और काटे गए फोटोग्राफिक पेपर के बारे में केवल एक घरेलू उद्योग है और इसलिए जांच केवल परिष्कृत और इस्तेमाल के लिए तैयार स्वरूप में ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर के निर्यातों के बारे में शुरू की जा सकती है जिसके लिए एक घरेलू उद्योग मौजूद है।
2. भारत में विनिर्माण एवं बिक्री किए जा रहे जम्बों रोलों में फोटोग्राफिक पेपर के समान अन्य कोई उत्पाद नहीं है और इस उत्पाद के लिए कोई घरेलू उद्योग नहीं है।
3. जम्बो रोल, परिष्कृत और इस्तेमाल के लिए तैयार पेपरों का कार्य की दृष्टि से एक-दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

**मैसर्स कन्टमरे ने निम्नलिखित अनुरोध किया है:**

1. मैसर्स कन्टमरे से हुए निर्यात मूल रोलों/जम्बों रोलों में हुआ था जिनकी तुलना मैसर्स एनआईआई द्वारा बिक्री किए जा रहे उत्पादों से बिल्कुल नहीं की जा सकती है जो इस्तेमाल के लिए तैयार उत्पाद के स्वरूप में होता है जबकि मैसर्स कन्टमरे का निर्यात उत्पाद एक औद्योगिक सामग्री है। इन दोनों उत्पादों का वाणिज्यिक अथवा कार्य की दृष्टि से इनके आकार, श्रेणी, इत्यादि के कारण एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

**मैसर्स अगफा-गेवर्ट एस.ए. ने निम्नलिखित अनुरोध किया है:-**

1. हम उस उत्पाद का निर्यात नहीं करते हैं जो शिकायतकर्ता का विषय है अर्थात् शिकायतकर्ता द्वारा विनिर्मित ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर। हम परिष्कृत ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर की भारतीय बाजार में आपूर्ति नहीं करते हैं। हमारे द्वारा अपने ग्राहकों को आपूर्ति किया गया उत्पाद ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर के मास्ट्रर रोल है जो भारत में बाद में इसका प्रसंस्करण करते हैं और ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर तैयार करते हैं।



**घ. पाटन के बारे में****मैसर्स फोर्टेफिल्मस एण्ड पेपर्स ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:-**

1. फोर्टे फेक्वट्री सन्दर्भाघ्न उत्पाद की विनिर्माता है और भारत तथा अन्य देशों को होने वाले निर्यातों का प्रबंधन कैमोफोर्ट ट्रेडिंग लि. द्वारा किया जाता है जो कमीशन आधार पर फोर्टे उत्पादों का एकमात्र निर्यातक है।
2. जिन पार्टियों द्वारा याचिका दायर की गयी है उनके द्वारा तैयार किये गये सामान्य मूल्य के अनुमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि हंगरी में जीवन स्तर अन्य यूरोपीय संघ की कम्पनियों की तुलना में क्रय शक्ति और कीमत सामान्य मूल्य दोनों के रूप में काफी नीचे है, जिसे 47% अंक पर लिया जाना चाहिए जैसाकि याचिका में निर्धारित किया गया है।
3. भारत में बिक्री कीमतें अन्य देशों की कीमतों से कम हैं ऐसा बड़े पैमाने पर उत्पादन बिक्री के लाभों की वजह से है। स्थानीय बिक्री के लिये हम छूट देते हैं और भारतीय और हंगरी के उत्पाद के बीच अलग-अलग पैकिंग लागत आती है।
4. फाइबर आधारित पेपरों के संबंध में कम लागत कीमत इस तथ्य की वजह से रही थी कि हमें कच्ची सामग्री के एक बड़े स्टॉक को निकालना था और यह भी कि आरसी पेपरों के लिए हमारे पास कच्ची सामग्री का एक बहुत बड़ा स्टॉक था और हंगरी के अधिनियमों में 95 में हुए संशोधनों के दूरण परेषण भण्डारों को खत्म करना था, इसलिए हमने कच्ची सामग्री का स्टॉक ~~ने~~ <sup>ले</sup> लिया जिससे हमारी बाजार संभावनाएं काफी बढ़ गई थी। तत्काल जरूरत हमारे बक के विभिन्न ऋणों को चुकाने की थी और इन वित्तीय कारणों ने हमें इन स्टॉकों को जल्द खत्म करने के लिए बाध्य कर दिया।
5. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि भारतीय बाजार में हमारी बिक्री की लाभप्रदता अन्य बाजारों से काफी कम थी फिर भी हमें 1.7.99 से कीमत में और अधिक वृद्धि करने के लिए बाध्य किया गया था।
6. स्थानीय बाजार में पैकेजिंग की लागत विशेष कमीशन और प्रचार संबंधी खर्चों से अंतिम लागत में बढ़ोतरी हुई थी।

**मैसर्स इलफोर्ड ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:**

1. मैसर्स इलफोर्ड दो अलग-अलग उत्पादों अर्थात् जम्बों रोल में और काटे गए तथा परिष्कृत रूप में ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटो ग्राफिक पेपर का विनिर्माण कर रहा है। मैसर्स इलफोर्ड घरेलू बाजार में जम्बों रोल की बिक्री नहीं करता है। जम्बों रोलों का अन्य देशों को निर्यात किया जाता है। अन्य देशों को किए जाने वाले निर्यातों की कीमत भारत के लिए जाने वाले निर्यातों की कीमत से थोड़ी अधिक होती है यह अन्तर इस वजह से है कि मैसर्स इलफोर्ड द्वारा किए जाने वाले लम्बों रोलों के कुल उत्पादन का 50% हिस्सा मैसर्स टेक्नो फोटो के लिए होता है जिसके परिणाम स्वरूप मैसर्स इलफोर्ड मैसर्स

टेक्नोफोटो को उनकी खरीद पर मात्रात्मक छूट प्रदान करता है। अन्य देशों को होने वाले जम्बों रोलों के निर्यात से अनन्यतया यह सिद्ध होता है कि जम्बों रोलों में फोटोग्राफिक पेपर की निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच कोई अन्तर नहीं है। अतः पाटन का कथित आरोप बिल्कुल बेबुनियाद है।

2. हमारी लागत निर्धारण से यह पर्याप्त रूप से स्पष्ट होता है कि हम अपने उत्पादों का निर्यात उचित लाभ प्राप्त करने के बाद करते हैं हमारे निर्यात लागत से नीचे नहीं होते हैं, और पाटन का आरोप पूर्णतया साक्ष्य रहित है।

3. हम ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर अपने ब्रान्ड नाम और हमारे ग्राहक के निजी लेबल ब्रान्ड नाम के साथ बेच रहे हैं। मैसर्स इलफोर्ड की अन्तराष्ट्रीय बाजार में एक बहुत ही अच्छी प्रतिष्ठा है और वह 60 वर्षों से अधिक समय से एक स्थापित निर्यातक है। मैसर्स इलफोर्ड अपने ब्रान्ड नाम का संरक्षण करने के लिए पर्याप्त धनराशि खर्च करता है ताकि उत्पादन की बिक्री को बढ़ाया जा सके। जिसके परिणाम स्वरूप इलफोर्ड के ब्रान्ड नाम को बाजार में अधिक ऊँची कीमत मिलती है। जबकि ग्राहक के ब्राण्ड नाम वाला पेपर कम कीमत पर बिकता है। इसलिए इलफोर्ड ब्रान्ड वाले उत्पादन की कीमत की तुलना निजी लेबल वाले उत्पादन की कीमत से करना सम्भव नहीं है।

4. इलफोर्ड घरेलू बाजार में इलफोर्ड ब्रान्ड के पेपर और निजी लेबल के पेपर दोनों की बिक्री करता है। यही स्थिति अन्य देशों को किए जाने वाले निर्यातों के बारे में है।

5. चाहे काटे गए और परिष्कृत पेपर के बारे में सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू कीमत के आधार पर किया जाए अथवा अन्य देशों को हुए निर्यातों के आधार पर, तब भी कोई पाटन मार्जिन नहीं बनेगा।

6. इलफोर्ड की निर्यात कीमत की तुलना एफओबी आधार पर लिए गए मैसर्स एनआईआई के निर्यात आंकड़ों के साथ की गई थी, अतः यह पता चलता है कि कीमतों में कोई कमी नहीं की गयी है और, इलफोर्ड के निर्यात प्रतिस्पर्धी कीमतों पर किए गए हैं।

7. मैसर्स इलफोर्ड उत्पाद विपणन नीति का अनुसरण नहीं करता है और इसकी नीति प्रतिस्पर्धी और विपणन दशाओं पर आधारित है। यह बात प्रश्नावली में दिये गये आंकड़ों से पूर्णरूपेण स्पष्ट होती है।

**मै0 केन्टमेरे द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-**

1. मै0 केन्टमेरे ने भारतीय पक्ष के साथ बातचीत करके ऐसी कीमत पर भारत को निर्यात किए हैं जिससे मै0 केन्टमेरे के लिए पर्याप्त लाभ का पता चलता है। निर्यात उन कीमतों पर नहीं किए गए हैं जिन्हें भारतीय बाजार के लिए कृत्रिम रूप से कम किया गया है।
2. इस उत्पाद की कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है तथा तृतीय देश को कोई निर्यात नहीं हुआ है।
3. मै0 केन्टमेरे की 5351/वर्ग मीटर की अकेली खेप का बाजार हिस्सा 0.5 % से भी कम बनता है जिसका भारतीय उत्पादक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता। गैट करार के अंतर्गत यह प्रावधान किया गया है कि यदि किसी देश से हुए निर्यात कुल पाटित निर्यातों के 3% से कम हैं तो जांच शुरुआत की प्रक्रिया को न्यूनतम सिद्धांत के अनुसार समाप्त करना अपेक्षित होता है। न्यूनतम सिद्धांत इस दृष्टिकोण पर आधारित है कि यदि निर्यातों की मात्रा इतनी कम है तो पाटन नहीं हो सकता। यह सिद्धांत मै0 केन्टमेरे द्वारा किए गए निर्यातों पर भी लागू होता है।

**मै0 एबाफा-गेवयर्ट एस.ए. द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :**

1. चूंकि हम भारतीय बाजार में किसी समान उत्पाद की सीधे पेशकश नहीं करते हैं इसलिए हमने घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंचाई है। अतः हमारे द्वारा निर्यातित ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर के मास्टर रोल्स पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

**3) क्षति के संबंध में****मै0 इल्फोर्ड द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-**

1. गैट करार के अंतर्गत, प्राधिकारी को यह निर्धारित करना चाहिए कि क्या क्षति वास्तविक है अथवा नहीं और क्या पाटित आयातों के कारण कीमतों में अत्यधिक कमी आई है।
2. इल्फोर्ड से भारत को हुए निर्यातों की मात्रा 1997 में 5.17 लाख वर्गमीटर से घटकर 1999 में 3.87 लाख वर्गमीटर हो गई है। निजी लेबल के संबंध में मै0 इल्फोर्ड की निर्यात कीमत स्थिर रही है और जम्बो रोलस के मामले में इसमें 56 % तक वृद्धि हुई है।
3. शिकायतकर्ता को कोई क्षति नहीं पहुंची है चूंकि निर्यात सामान की पहुंच लागत शिकायतकर्ता की बिक्री कीमत से अधिक है।

4. जांच अवधि के दौरान शिकायतकर्ता की बिक्री में लगभग 20 % तक की वृद्धि है और इसलिए आरोपित क्षति का दावा ग्राह्य नहीं है ।
5. शिकायतकर्ता के वर्ष 1998-99 के आंकड़ों की तुलना वित्तीय वर्ष 97-98 के साथ करना उचित नहीं है क्योंकि वर्ष 97-98 में बाजार आकार में वृद्धि भारतीय सरकार में सरकारी प्रलेखन के कारण हुई है । वास्तविक तुलना के लिए 96-97 के लिए दिए आंकड़ों की तुलना जांच अवधि के लिए की जानी चाहिए ।
6. मै0 एन आई आई को मै0 ए पी आई एल द्वारा किए गए आयातों के कारण क्षति नहीं हुई है क्योंकि मै0 ए पी आई एल द्वारा किए गए आयात घटे हैं और इसके अतिरिक्त मै0 एन आई आई ने आरोप लगाया है कि मै0 ए पी आई एल ने अपने ब्रांड नाम से आयातित वस्तुओं की बिक्री की ।
7. शिकायतकर्ता ने जनवरी से जून, 1999 तक की अवधि के दौरान क्षति का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है ।
8. जहां तक मै0 एच पी एफ का संबंध है यह कंपनी वित्तीय एवं प्रबंधन संबंधी अनियमितताओं के कारण कई वर्षों से घाटे में चल रही है ।
9. मै0 एच पी एफ को आयातों के कारण क्षति नहीं हुई है वरन यह खराब व्यापारिक कार्यकलापों के कारण हुई है । मै0 एच पी एफ की उक्त वित्तीय स्थिति मेडिकल एक्स-रे फोटोग्राफिक फिल्म में खराब कार्य-नीतिगत निवेश के कारण है और 1994 में उनके पास नकदी का अभाव हो गया । वास्तव में, मै0 एच पी एफ ने अपना बाजार हिस्सा लगभग 25 % तक बढ़ा लिया है जो कि पर्याप्त है । ऐसी हालत में क्षति का कोई मामला नहीं बनता है ।
10. शिकायतकर्ता ने यह उल्लेख किया है कि भारतीय बाजार का आकार लगभग 20 लाख वर्ग मीटर प्रति वर्ष का है । घरेलू उत्पादकों की बिक्री लगभग 14 लाख वर्ग मीटर की है जो कि बाजार आकार का 70 % बनती है ।
11. अतः शिकायतकर्ता भारतीय बाजार में इन आपूर्तियों का पाटन कर रहा है तथा आयातों से ये उत्पादक किसी भी रूप में प्रभावित नहीं हुए हैं ।
12. शिकायतकर्ता ने क्षति के संचयी विश्लेषण का अनुरोध किया है । गैट करार के अनुच्छेद 3.3 के अंतर्गत संचयी मूल्यांकन ऐसी स्थितियों में उचित होता है जहां निर्यातक कंपनियां समान बाजार व्यवहार प्रदर्शित करती हैं । मै0 इल्फोर्ड का बाजार व्यवहार बिल्कुल अलग है और अन्य निर्यातक देशों से भिन्न है । इसलिए वर्तमान मामले में क्षति का संचयी निर्धारण जरूरी नहीं बनता है ।
13. शिकायतकर्ता ने लगभग 6.5 मिलियन वर्ग मीटर की उत्पादन क्षमता विकसित करने के लिए भारी निवेश किया है जो कि ऐसे किसी समाप्त प्राय उद्योग के लिए अव्यवहारिक है, जहां मांग लगातार घट रही हो और स्थिर हो ।
14. शिकायतकर्ता ने स्वयं भारतीय बाजार का आकार लगभग 2 मिलियन वर्ग मीटर होने का अनुमान लगाया है और, इसलिए 6.5 मिलियन वर्ग मीटर की उत्पादन क्षमता भारतीय बाजार की गलत समीक्षा पर आधारित है जिसके कारण

- शिकायतकर्ता हमेशा क्षमता का कम उपयोग कर रहे हैं जिससे उनकी प्रति इकाई लागत बढ़ रही है और वे किफायतें बरतने में असमर्थ हैं जिससे क्षति हुई है ।
15. मै0 एच पी एफ की कोई बिक्री कीमत नहीं है क्योंकि वे अपने ग्राहकों के कच्चे माल का जाब वर्क कर रहे हैं । वे किसी बिक्री सौदे में शामिल नहीं हैं । दूसरी ओर, मै0 एन आई आई, मै0 ए पी आई एल के साथ अपने संबंध के कारण अपने लाभ का लगभग 35 % का बड़ा हिस्सा एपीआईएल को देता है । इसलिए बिक्री प्राप्ति, लाभप्रदता इत्यादि के संबंध में शिकायतकर्ता द्वारा दी गई सूचना पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए ।
  16. इस जांच में विश्व में ब्लैक एंड् व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर के 9 विनिर्माताओं में से 5 विनिर्माता शामिल हैं । शेष चार में से दो घरेलू उत्पादक हैं और दो का अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत थोड़ा हिस्सा है । शिकायतकर्ता अपने प्रतिस्पर्धियों को भारतीय बाजार में उनके उत्पादों की बिक्री करने से रोकने के जोरदार प्रयास कर रहा है । शुल्क लगाए जाने से शिकायतकर्ता द्वारा उचित प्रतिस्पर्धा समाप्त करते हुए केवल स्थानीय बाजार का शोषण करना सुविधाजनक बन जाएगा ।
  17. शिकायतकर्ताओं की आय 2047.93 लाख रुपए से बढ़कर 3531.85 लाख रुपए हो गई है । पिछले वर्ष में शिकायतकर्ता को लगभग 23 लाख रुपए का घाटा हो रहा था । इसके प्रतिकूल, शिकायतकर्ता ने जांच अवधि में लगभग 3.29 लाख रुपए का लाभ कमाया है ।
  18. मै0 ए पी आई एल और मै0 एन आई आई की 98-99 की वार्षिक रिपोर्ट के पैराग्राफ 2.1 में यह उल्लेख किया गया है कि ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर की बिक्री की मात्रा तथा कारोबार में बढ़ातरी हुई है । यह भी उल्लेख किया गया है कि तैयार सामान पर घटे हुए आयात शुल्क के परिणामस्वरूप आयातों के संबंध में बहुत अधिक दबाव था । शुल्कों में घटोतरी के प्रभाव के कारण पाटन नहीं हो सकता । वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठ 30 से यह पता चलता है कि मै0 एन आई आई की निर्यात कीमत 80.86 रुपए/वर्ग मी0 बैठती है जो कि मै0 इल्फोर्ड द्वारा किए गए निर्यात से तुलनीय हैं ।
  19. पृष्ठ 21 के अनुसार, तैयार उत्पाद की फेहरिस्त 60 लाख रुपए से घटकर 36 लाख रुपए हो गई है जिससे यह पता चलता है कि वस्तु सूचियों में इजाफा नहीं हुआ है ।
  20. पृष्ठ 20 पर, ऐसा नहीं है कि मै0 ए पी आई एल में याचिकाकर्ताओं का शेयर मूल्य 2047630 रुपए (पन्द्रह हजार पचास इक्विटि शेयर) हैं, जो यह दर्शाता है कि मै0 एन आई आई तथा मै0 ए पी आई एल आपस में संबंधित हैं ।
  21. वार्षिक रिपोर्ट से यह पता चलता है कि मै0 इल्फोर्ड ने लागत परिकलित की है और यह दर्शाया है कि शिकायतकर्ता 30 रुपए से 35 रुपए/वर्ग मीटर का लाभ कमा रहा है जबकि मै0 ए पी आई एल को दी गई बिक्री की कीमत 171 रुपए/वर्ग मीटर है और जबकि अंतिम उपभोक्ता के लिए यह कीमत अन्ततः 257 रुपए/वर्ग मीटर की है । लागत तथा ग्राहक के लिए बिक्री की कीमत के बीच के

अंतर से ये पता चलता है कि शिकायतकर्ता का प्रचालन भारी मुनाफे के साथ चल रहा है।

22. मै0 ए पी आई एल की वार्षिक रिपोर्ट से यह देखा जा सकता है कि उन्होंने प्रचार एवं बिक्री संवर्धन पर 19 लाख रुपए खर्च किए। सी एंड एफ एजेंटों को दिया गया सेवा प्रभाव केवल लगभग 37 लाख रुपए है। इन खर्चों से वह भारी मार्जिन न्यायोचित नहीं ठहर सकता जो कि मै0 एन आई आई द्वारा मै0 ए पी आई एल को दिया गया है।

च) अन्य तर्क

मै0 इल्फोर्ड द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

1. मै0 इल्फोर्ड दूसरी बार जांच शुरू किए जाने के कारण असंतुष्ट है। पहले की कार्यवाही में मै0 इल्फोर्ड द्वारा पूरा सहयोग दिया गया था तथा पूरी सूचना उपलब्ध करवाई गई थी और पहले की शिकायत को वापस लेने का आधार यह था कि शिकायतकर्ता हंगरी तथा चैक गणराज्य को जांच के दायरे में शामिल करना चाहता था। प्राधिकारी द्वारा विनिमिताओं को यह कार्रवाई हल्के रूप में लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि इसमें अत्यधिक समय एवं धन अंतर्ग्रस्त होता है।

3. आयातक तथा उपभोक्ता एसोसिएशन के विचार

- क) विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु के संबंध में

मै0 टेक्नो फोटो द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

1. मै0 एच पी एफ रेजिन कोटिड पेपर का उत्पादन नहीं करता है तथा इसका प्रचालन फाइबर कोटेड पेपर तक ही सीमित है। ये दोनों उत्पाद अलग-अलग हैं क्योंकि इनका उत्पादन भिन्न प्रकार के बेस पेपर द्वारा किया जाता है और इनको काटने और उपयोग की तकनीकें भी भिन्न हैं। इस्तेमाल के रूप में रेजिन कोटिड पेपर की यह विशेषता है कि यह जल्दी सूखने वाला होता है और इसमें ग्लेजिंग की आवश्यकता नहीं होती है। इसलिए, जहां तक रेजिन कोटेड पेपर का संबंध है, मै. एच पी एफ घरेलू नहीं है। दिल्ली प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स एसोसिएशन द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :
1. मै0 एन आई आई चार ग्रेडों के ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर का विनिर्माण करती है। हालांकि, सभी ग्रेडों की लागत कीमत एक समान है फिर भी दोनों श्रेणियों की बिक्री कीमत उच्च है क्योंकि उनके प्रतिस्पर्धी इन दोनों श्रेणियों का

उत्पादन नहीं करते हैं। इससे शिकायतकर्ता कंपनी की मंशा और इस कार्रवाई के पीछे उनका उद्देश्य प्रदर्शित होता है।

2. वास्तव में शिकायतकर्ता कंपनी अपने उत्पादों का निर्यात कर रही है और इसी प्रकार अपने ब्रांड नाम के तहत मै0 इल्फोर्ड से इसका आयात कर रही है। इसके पीछे शिकायतकर्ता कंपनी का तर्क क्या है और विदेशी मुद्रा के संबंध में इससे हमारे देश को क्या प्राप्त हो रहा है ?

(ख) घरेलू उद्योग के संबंध में

मै0 टेक्नो फोटो प्रा0 लि0 द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

1. प्रबंधन की समानता, मै0 एपीआई एल में मै0 एनआईआई की शेयरधारिता, मै0 एन आई आई तथा मै0 ए पी आई एल के बीच अतिरिक्त वाणिज्यिक संबंध तथा मै0 ए पी आई एल द्वारा अपने आयातित उत्पाद पर मै0 एन आई आई के ब्रांड नाम का उपयोग करने के कारण मै0 एन आई आई तथा मै0 ए पी आई एल संबंधित हैं।
2. मै0 ए पी आई एल के तुलन-पत्र से यह देखा जा सकता है कि मै0 एन आई आई द्वारा इसके ट्रेडमार्क का इस्तेमाल करने के लिए कोई भुगतान नहीं किया गया है और इसलिए दोनों कंपनियों के सामान्य हित है तथा छिपा हुआ संबंध है।

दिल्ली प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स एसोसिएशन ने निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

1. मै0 एन आई आई और मै0 ए पी आई एल 1961 से पारिवारिक धारिता वाली सह-संबंधित कंपनियां हैं।
2. मै0 एन आई आई द्वारा मै0 ए पी आई एल को लगभग 40% का उच्च मार्जिन दिया जा रहा है।

ग) समान वस्तु के संबंध में

मै0 टेक्नो फोटो द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

1. जम्बो रोलस में ब्लैक एण्ड व्हाइट कोटेड फोटोग्राफिक पेपर ऐसा कच्चा माल है जिसकी शिकायतकर्ता के तैयार उत्पाद के साथ तुलना नहीं की जा सकती है। जम्बो रोल को फोटोग्राफिक पेपर के रूप में इस्तेमाल हेतु तैयार करने से पहले इसमें शीटिंग और पैकिंग की आगे और प्रक्रिया की जरूरत पड़ती है और इसलिए, पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ इन दोनों उत्पादों की तुलना नहीं की जा सकती। यदि यह दृष्टिकोण अपनाया जाता है कि जम्बो रोलस तथा तैयार उत्पाद दोनों ही जांच के अधीन उत्पाद हैं तो हमें भी घरेलू उद्योग के भाग के रूप में लिया जाना चाहिए क्योंकि हम भी परिष्कृत फोटोग्राफिक पेपर के विनिर्माता हैं।

## घ) पाटन के संबंध में

**मै0 टेक्नो फोटो द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-**

1. निर्यातक अर्थात् मै0 इल्फोर्ड अपने घरेलू बाजारों में ब्रांडिड उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं जबकि भारत को हुए निर्यात ब्रांडिड नहीं हैं। इसलिए, ब्रांड नाम प्रचार में हुए खर्च के मूल्य के कारण घरेलू बजार में कीमतें भिन्न होंगी।
  2. शिकायतकर्ता का निर्यात कीमत उस कीमत के समान है जिस पर मै0 इल्फोर्ड ने भारत को निर्यात किए हैं। इसलिए, पाटन से संबंधित मुद्दे पर कोई मामला नहीं बनता है।
  3. वर्तमान शिकायत, शिकायतकर्ता तथा मै0 ए पी आई एल के लिए एकाधिकार की स्थितियां पैदा करने के लिए की गई है जो कि इससे इस उत्पाद की कीमतों में वृद्धि करने की स्थिति में हो जाएंगे।
- ङ) क्षति के संबंध में

**मै0 टेक्नो फोटो द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-**

1. जम्बो रोलस को परिष्कृत उत्पाद में बदलने के पश्चात् अंतिम उत्पाद की हमारी बिक्री कीमत मै. एन आई आई की बिक्री कीमत के साथ तुलनीय है और इसलिए शिकायतकर्ता को कोई क्षति नहीं पहुंची है।
2. मै0 एच पी एफ, जो कि जांच अवधि से लगभग 6 वर्ष पहले खराब-प्रबंधन, कर्मचारियों की अधिक संख्या और ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर की घटती हुई मांग के कारण बंद हो गई थी, को क्षति नहीं पहुंची है।
3. शिकायतकर्ता को सीमाशुल्क की दरों में घटोतरी के कारण कीमतों में कमी करने के लिए बाध्य होना पड़ा था।
4. मै. एन आई आई द्वारा मै. शेकी फिल्मस के लिए जॉब वर्क आधार पर कार्य करते समय कन्फेक्शनिंग समेत कोटिंग तथा परिष्करण प्रभागों के लिए 44.86 रुपए वसूले जा रहे हैं। बेस पेपर तथा मिश्रित पेपर की लागत को जोड़ने के बाद शिकायतकर्ता के लिए मानक आकार की 25 शीटों के एक पैकेट की उत्पादन लागत 80.9 रुपए बैठेगी। मै0 एन आई आई 140 रुपए पर बिक्री कर रहे हैं जिससे उन्हें 29 रुपए का लाभ हो रहा है। घरेलू उत्पादकों की बिक्री में जांच अवधि के दौरान समग्र रूप से वृद्धि हुई है। निर्यातों की मात्रा घट गयी है और निर्यात कीमत बढ़ गयी है तथा शिकायतकर्ता को कोई क्षति नहीं पहुंची है।



5. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से मैसर्स टैक्नो फोटो प्रा० लि० और अन्य कंपनियों जैसे उद्योग, प्रभावी रूप से विवर्जित हो जाएंगे, जो ब्लेक् एंड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर जम्बो रोलस को तैयार करने में लगे हुए हैं।

घ) अन्य तर्क

मैसर्स टैक्नो फोटो प्रा० लि० ने निम्नलिखित अनुरोध प्रस्तुत किए हैं :-

1. संबद्ध वस्तु आम आदमी के उपयोग के लिए एक कम लागत वाली मद है और शुल्क को लगाने से अन्ततोगत्वा उत्पाद के मूल्य में वृद्धि होगी, जोकि राष्ट्रीय हित में नहीं है।
2. अखिल भारतीय फोटोग्राफर्स व्यापार के राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के संगठन और परिसंघ हैं। शिकायतकर्ता को इन संगठनों की जानकारी तो है लेकिन उसने उनके नामों का उल्लेख नहीं किया है क्योंकि वह उन्हें आपके समक्ष उनके विचारों को प्रस्तुत करने से रोकना चाहता है।

**मैसर्स जिन्दल फोटो ने निम्नलिखित अनुरोध प्रस्तुत किए हैं :-**

1. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू विनिमात्राओं के लिए एकाधिकारिक स्थिति पैदा हो जाएगी जोकि उपभोक्ताओं के हितों के लिए हानिकारक होगी।
2. पाटनरोधी शुल्क का लगाया जाना भारतीय अर्थव्यवस्था के द्वादीकरण एवं वैश्वीकरण की मूल भावना के विपरीत होगा। स्वदेशी उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पाद की गुणवत्ता स्तर से कम है और शुल्क के लगाए जाने से इनकी अकुशलता और उनके घटिया किस्म के उत्पाद को प्रोत्साहन मिलेगा।

**दिल्ली प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स एसोसिएशन ने निम्नलिखित अनुरोध प्रस्तुत किए हैं :-**

1. शिकायतकर्ता द्वारा दिया गया यह वक्तव्य कि फोटोग्राफिक उत्पादों के उपयोक्ताओं का कोई संगठन नहीं है, पूर्णतया असत्य है और अत्यंत आपत्तिजनक है और इसलिए शिकायतकर्ता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।
2. शिकायतकर्ता की पूर्ववर्ती याचिका को ले लिया गया था। हमारी एसोसिएशन द्वारा किए गए कड़े विरोध और उनके इस दृष्टिकोण के कारण वापस ले लिया गया था कि वे इस मामले में सफल नहीं हो सकेंगे।
3. नई शिकायत नई बोटल में पुरानी शराब के समान है। मैसर्स एच पी एफ काफी पहले से रुग्ण एकक है और यह दिवालिया हो चुकी है।
4. शिकायतकर्ता कंपनियों की मंशा दुर्भावना पूर्ण है और उनका परोक्ष उद्देश्य 100 % एकाधिकार को हासिल करना है।

ग. प्राधिकारी द्वारा जांच

निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए उपर्युक्त अनुरोधों के संबंध में नियमानुसार जिस सीमा तक वे संगत हैं और इस मामले पर जिस सीमा तक वे प्रभाव डालते हैं, उस सीमा तक जांच कर विचार किया गया है तथा इन जांच परिणामों में उन पर उचित स्थानों पर कार्रवाई की गई है।

1. विचाराधीन उत्पाद

मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर है जिसमें सभी स्वरूपों जैसे कट शीट्स और जम्बो रोल (जिसे मास्टर रोल भी कहा जाता है) में रेजिन कोटिड और फाइबर कोटिड दोनों पेपर शामिल हैं (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है)। उक्त उत्पाद सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क, शीर्ष 3703.10 और 3703.90 के तहत वर्गीकृत है।

2. समान वस्तु

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कई हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि संबद्ध वस्तुओं का आयात जम्बो रोलस के रूप में किया जा रहा है जिसे अंतिम उत्पाद अर्थात् कट शीट्स में पंहुचने के लिए आगे और प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग की प्रक्रिया से गुजरना होता है। ऐसे स्वरूप परिवर्तन में शामिल प्रक्रिया एक विनिर्माण कार्यकलाप भी है जिसमें मूल्यवर्धन शामिल होता है और इसे केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) द्वारा एक विनिर्माण कार्यकलाप के रूप में माना गया है। आगे यह तर्क दिया गया है कि एन आई आई, जो मैसर्स ए पी आई एल से संबंधित है, को छोड़कर घरेलू उद्योग ने जांच अवधि में आर सी ग्रेड के फोटोग्राफिक पेपर का उत्पादन नहीं किया है और इसने अपने कार्यकलापों को केवल फाइबर आधारित फोटोग्राफिक पेपर तक सीमित कर लिया है। यह उल्लेख किया गया है कि जहां तक जम्बो रोल का संबंध है, इसका कोई घरेलू उद्योग नहीं है और यह उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित एवं बेचे गए उत्पाद से पूर्णतः अलग है और इसलिए, जांच में जम्बो रोलस को शामिल नहीं करना चाहिए और इसे केवल फाइबर आधारित किस्म की कट शीट्स तक ही सीमित रखना चाहिए। जिस फाइबर आधारित फोटोग्राफिक पेपर को विकसित करने में कम समय लगता है जो सुविधाजनक है, कम लागत और नई प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया है, उसकी तुलना में आर सी टाइप के ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर के विभिन्न अन्त्य-उपयोग और लाभ उद्धृत किए गए हैं। प्राधिकारी ने सामान वस्तु की जांच करने के प्रयोजनार्थ वस्तु की भौतिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन एवं टैरिफ वर्गीकरण पर विचार किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस तथ्य के बावजूद भी कि घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में जम्बो रोलस की बिक्री नहीं करता है, जम्बो रोलस उत्पाद अनिवार्यतः फोटोग्राफिक पेपर का ही एक रूप है।

फोटो पेपर को रोल स्वरूप से कट शीट में बदलने के लिए अपेक्षित अगली प्रसंस्करण की प्रक्रिया, जो मुख्यतः कटिंग और पैकेजिंग की है, एक महत्वपूर्ण विनिर्माण मूल्यवर्धन कार्यकलाप नहीं है और इससे उत्पाद की संरचना अथवा इसके प्रकार में परिवर्तन नहीं होता है। आगे प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि फोटोग्राफिक पेपर उद्योग के लिए विनिर्माण का महत्वपूर्ण घटक कोटिंग प्रौद्योगिकी है जो आयातित जम्बो रोल्स और कट शीट्स दोनों में अपनाई जाती हैं। तथापि, जम्बो रोल्स को कट शीट में बदलने में किए गए मूल्यवर्धन की सीमा तक प्राधिकारी ने क्षति निर्धारण और सामान्य मूल्य के प्रयोजनार्थ इस पहलू को ध्यान में रखने का प्रस्ताव किया है और उपयुक्त स्तरों पर तुलना की है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि कई हितबद्ध पार्टियों ने फाइबर कोटिड (ब्राइटा किस्म का पेपर) की तुलना में आर सी किस्म के फोटोग्राफिक पेपर के लाभों को रेखांकित करते हुए वस्तुएं प्रस्तुत की हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह बताया गया है कि आर सी किस्म का पेपर अपेक्षाकृत नई तकनीक है जिसमें उत्पाद को तैयार करने में कम समय की जरूरत होती है, सस्ती है, सुविधाजनक है और व्यावसायिक फोटोग्राफरों द्वारा पहचान-पत्र, पास पोर्ट फोटो कार्ड जैसे अनुप्रयोगों में एक सुविधाजनक सामग्री के रूप में भी उपयोग किया जाता है। यह बताया गया है कि फाइबर कोटिड पेपर अर्थात् ब्राइटा किस्म के पेपर एक पुरानी तकनीक है जिसमें प्रसंस्करण एवं तैयार करने में काफी अधिक समय लगता है, उच्च लागत बैठती है और व्यावसायिक कलाकारों द्वारा इसका अलग प्रयोजन हेतु उपयोग किया जाता है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि फाइबर आधारित ब्राइटा किस्म के पेपर की तुलना में आर सी किस्म के पेपर के निश्चित रूप से लाभ हैं। तथापि, प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि प्रस्तुत की गई वस्तुओं में यह संकेत दिया गया है कि विचाराधीन उत्पाद के वाणिज्यिक उपयोग में फाइबर आधारित पेपर का स्थान आर सी आधारित पेपर ने ले लिया है। प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि उक्त वस्तुओं में से एक वस्तु के मामले में यह संकेत दिया गया है कि उत्पाद की पसंद अनिवार्य रूप से एक निजी तरजीह है। इसके अलावा, यह पाया गया है कि उत्पादों की दोनों किस्मों की कीमत में अंतर बहुत अधिक नहीं है और यह कि उत्पाद की दोनों किस्मों के लिए सीमा शुल्क टैरिफ वर्गीकरण भी एक समान है। यह तथ्य कि वर्षों से एक उत्पाद उपयोग में दूसरे उत्पाद का स्थान ले लिया है और यह कि पसंद अभी भी निजी अधिमान पर आधारित है, यह प्रमाणित करता है कि आर सी और फाइबर आधारित फोटोग्राफिक पेपर दोनों किस्मों में एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग की जाती हैं और इसलिए ये नियम 2 (घ) की परिभाषा के अंतर्गत समान वस्तु हैं। इसलिए, प्राधिकारी संबद्ध देशों अर्थात् यू.के., फ्रांस एवं हंगरी द्वारा निर्यातित उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद को नियम 2(घ) की परिभाषा के भीतर समान वस्तु के रूप में मानते हैं।

### 3. घरेलू उद्योग

प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स एलाइड फोटोग्राफिक्स इंडिया लि० (एपीआईएल) मैसर्स एन आई आई का वितरक है और संबद्ध वस्तु का एक आयातक भी है। प्राधिकारी ने मैसर्स एन आई आई और मैसर्स ए पी आई एल के बीच संबंधों के बारे में विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा दी गई सूचना एवं साक्ष्य के आधार पर उसे घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखना उपयुक्त समझा है जैसे कि प्रबंधन सामान्य है, अर्थात् एन आई आई का अध्यक्ष मैसर्स ए पी आई एल में निदेशक है, ब्रांड नाम अर्थात् स्टर्लिंग में समानता है। मैसर्स एन आई आई और मै० एपीआईएल की अंशधारिता की पद्धति और मैसर्स एन आई आई और मैसर्स ए पी आई एल के बीच लेन-देन अतिरिक्त वाणिज्यिक संबंधों द्वारा शासित होते हैं न कि दूर के संबंधों द्वारा। मैसर्स एन आई आई के बाहर किए जाने की स्थिति में एक अन्य उत्पादक मैसर्स एच पी एफ घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए यह याचिका स्वीकार्य है और यह नियम 5(3)(क)(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की अपेक्षित शर्त को पूरा करती है और यह नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।

### 4. सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत

धारा 9क(1)(ग)के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

- (1) समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य रूप में तुलनीय मूल्य जब वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो, जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए नियमों के अनुसार किया गया हो या
- (2) जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा ;

(क) समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त तीसरे देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो ; या

(ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ; जिसमें प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो ;

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल बाह्यनान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या

निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।

निर्यातक-वार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के निर्धारण को नीचे स्पष्ट किया गया है :-  
हंगरी

#### मैसर्स फोर्टे फोटोकैमिकल पी एल सी, वी ए सी

मैसर्स फोर्टे फोटोकैमिकल पी एल सी, वी ए सी द्वारा यह उल्लेख किया गया है कि सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में अंतर को देखते हुए हंगरी के लिए सामान्य मूल्य को यू के और फ्रांस के सामान्य मूल्य के साथ बराबर नहीं किया जा सकता है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक द्वारा जांच अवधि के लिए घरेलू और निर्यात बिक्री के ब्यौरे दिए गए हैं और इसलिए, नीचे दिए गए ब्यौरों के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का मूल्यांकन किया गया है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि निर्यातक द्वारा प्रस्तुत अनुरोध से यह संकेत मिला कि वे अपने स्टॉक की निकासी कर रहे हैं, जिसका अर्थ निसन्देह आप निर्यात बिक्री से है, जिससे पाटन हुआ है जैसाकि नीचे के पैराग्राफों में स्पष्ट किया गया है ।

#### सामान्य मूल्य

निर्यातक ने जांच अवधि के लिए आर सी आधारित फोर्टेस्पीड फोटोपेपर हेतु घरेलू बिक्री के ब्यौरे दिए हैं । निर्यातक ने सूची कीमत के \*\*\*\*% तक की सीमा तक वी ए टी पर समायोजन का दावा किया है जिसकी आगे जांच होने तक प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ अनुमति दी गई है । निर्यातक द्वारा किसी अन्य समायोजन का दावा नहीं किया गया है । फाइबर आधारित ग्रेड के फोटो पेपर के लिए, कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है और भारत को छोड़कर अन्य देश को कोई निर्यात नहीं किया गया है । प्राधिकारी ने दोनों ग्रेडों अर्थात् आर सी टाइप और फाइबर आधारित ग्रेड के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य पर विचार किया है, जोकि इस मामले में कोई घरेलू बिक्री न होने और भारत को हुए निर्यातों को छोड़कर फाइबर टाइप का अन्य देश को कोई निर्यात न होने के मद्देनजर आर सी टाइप के लिए सामान्य मूल्य है । भारत औसत सामान्य मूल्य \*\*\* डालर/वर्ग मीटर बैठता है ।

#### निर्यात कीमत

मै0 फोर्टे फोटोकैमिकल पी एल सी, वी ए सी ने मै0 कैमोफोर्ट, ट्रेडिंग लि0, बुडापेस्ट के जरिए निर्यात किया है । निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान ब्रोमोफोर्ट बी एस-4, बी एस पी-4, फाइबर आधारित ग्रेडों 18 x 24 सेंटीमीटर के आकार के प्रत्येक बाक्स में 500 शीटों की विशेष बल्क पैकेजिंग में दुगुना भार वाला फोटो पेपर, 18 x 24 सेंटीमीटर के आकार के प्रत्येक बाक्स में 500 शीटों की विशेष बल्क पैकेजिंग में रेजिन कोटिड आर सी

फोटो पेपर से संबंधित अलग-अलग सूचना प्रस्तुत की है। निर्यातक ने पैकिंग, स्वदेशी भाड़े, समुद्री भाड़े और कमीशन पर \*\*\*, \*\*\*, \*\*\* और \*\*\* डालर/वर्ग मीटर की सीमा तक समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने अगली जांच होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ इन समायोजनों की अनुमति दी है। प्राधिकारी ने समुद्री बीमा पर \*\*\* डालर/वर्ग मीटर की सीमा तक समायोजन की अनुमति भी दी है। दोनों ग्रेडों के लिए भारत औसत निर्यात कीमत \*\*\* डालर/वर्ग मीटर बैठती है।

### यूनाइटेड किंगडम

#### मैसर्स एलफोर्ड इमेजिंग लि०

निर्यातक ने यह उल्लेख किया है कि जम्बो रोलस, कट शीट्स (एलफोर्ड ब्रांड और प्राइवेट लेबल) के लिए अलग से तुलना की जाए क्योंकि ब्रांडिड उत्पाद को ज्यादा कीमतों पर बेचा जाता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ब्रांड नाम के कारण इस अंतर का पता नहीं लगाया गया है और यह भी कि निजी लेबल और एलफोर्ड ब्रांड का भारत को और अन्य तीसरे देशों को भी निर्यात हुआ है। इसलिए, प्राधिकारी ने नीचे दिए गए ब्यौरों के अनुसार ब्रांड नाम या निजी लेबल पर ध्यान दिए बिना जम्बो रोलस और कट शीट्स के माल्यांकन पर विचार किया है।

निर्यातक ने आर सी एवं फाईबर आधारित फोटोपेपर के विभिन्न रूपों/श्रेणियों, अर्थात् जम्बो रोल्स, निजी लेबल वाले कट शीट रूप तथा इलफोर्ड ब्रांड वाले कट शीट रूप की जांच अवधि के दौरान की गई घरेलू बिक्रियों का ब्यौरा दिया है। निर्यातक ने यह इंगित किया है कि उन्होंने इलफोर्ड ब्रांड वाले फाईबर आधारित फोटोपेपर, निजी लेबल वाले आर सी टाइप फोटोपेपर तथा इलफोर्ड ब्रांड वाले आर सी टाइप फोटोपेपर की बिक्री केवल घरेलू बाजार में ही की है। फाईबर आधारित निजी लेबल वाले फोटोपेपर की न तो घरेलू बाजार में बिक्री की गई और न ही इसका भारत के अलावा किसी अन्य देश को निर्यात किया गया। जहाँ तक जम्बो रोल्स, आर सी टाइप तथा निजी लेबल वाले फाईबर किस्म का संबंध है, उनके अन्य देशों में निर्यात हैं तथा कोई घरेलू बिक्री नहीं है। फाईबर आधारित जम्बो रोल्स के लिए कोई घरेलू बिक्री अथवा अन्य देश को किया गया निर्यात नहीं है। चूँकि समान वस्तु संबंधी पूर्वोक्त पैरा में प्राधिकारी ने पहले ही विचार किया है कि आर सी तथा फाईबर टाइप समान वस्तुएँ हैं, इसलिए प्राधिकारी द्वारा जम्बो रोल्स (आर सी तथा फाईबर आधारित टाइप, दोनों) तथा परिष्कृत उत्पाद, अर्थात् कट शीट फोटोग्राफिक पेपर (आर सी तथा फाईबर टाइप, दोनों) के लिए निजी तथा इलफोर्ड ब्रांड) के भारत औसत सामान्य मूल्य की गणना अलग-अलग की गई है, जैसा कि नीचे स्पष्ट किया गया है।

### जम्बो रोल्स में फोटोग्राफिक पेपर

जम्बो रोल्स के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से अन्य देश को किए गए आर सी टाइप के निर्यात का संदर्भ लिया गया है क्योंकि इसकी कोई घरेलू बिक्री नहीं है। निर्यातक द्वारा पैकिंग तथा अन्तर्राष्ट्रीय माल-भाड़ा के लिए \*\*\* तथा \*\*\* डालर/वर्ग मी० की राशि के समायोजनों का दावा किया गया है जिसकी अनुमति अगली जांच होने तक प्रारम्भिक निर्धारण के उद्देश्य से दी गई है। फाईबर टाइप जम्बो रोल्स के लिए आर सी टाइप के सामान्य मूल्य का संदर्भ लिया गया है क्योंकि इसकी अलग से कोई घरेलू बिक्री अथवा अन्य देश को किया गया निर्यात नहीं है और आर सी तथा फाईबर आधारित, दोनों फोटोग्राफिक पेपर को समान वस्तु माना गया है। जम्बो रोल्स (आर सी/फाईबर टाइप, दोनों) के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य \*\*\* डालर/वर्ग मी० बैठता है।

### परिष्कृत रूप अर्थात् कट शीट रूप में फोटोपेपर

निर्यातक ने इलफोर्ड ब्रांड फाईबर आधारित फोटोपेपर, इलफोर्ड ब्रांड आर सी टाइप फोटोपेपर तथा निजी लेबल वाले आर सी टाइप फोटोपेपर की घरेलू बिक्रियों का ब्यौरा दिया है। निजी लेबल वाले फाईबर आधारित फोटोपेपर के लिए निर्यातक ने भारत के अलावा अन्य देश को की गई बिक्रियों का ब्यौरा दिया है। आर सी तथा फाईबर टाइप, दोनों के लिए निजी लेबल से संबंधित ब्यौरे कारखाना द्वार स्तर के आधार पर दिए गए हैं जबकि आर सी तथा फाईबर टाइप, दोनों के लिए इलफोर्ड ब्रांड के ब्यौरे एफ ओ बी स्तर के आधार पर दिए गए हैं। निर्यातक ने पैकिंग, अन्तर्राष्ट्रीय माल-भाड़ा तथा ग्राहक सेवा/तकनीकी सेवा के लिए \*\*\* \*\*\* तथा \*\*\* डालर/वर्ग मी० की राशि के समायोजनों का दावा किया है। अगली जांच होने तक प्रारम्भिक निर्धारण के उद्देश्य से प्राधिकारी द्वारा इसकी अनुमति दी गई है। इलफोर्ड ब्रांड (आर सी/फाईबर

टाइप, दोनों) तथा निजी लेबल वाले आर सी टाइप के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण उपरोक्त लागू समायोजनों के साथ घरेलू बिक्रियों के आधार पर किया गया है जबकि निजी लेबल वाले फाईबर टाइप के लिए इसके निर्धारण हेतु उपरोक्त लागू समायोजनों के साथ अन्य देश को किए गए निर्यात पर विचार किया गया है। परिष्कृत उत्पाद अर्थात् कट शीट रूप में आर सी तथा फाईबर आधारित, दोनों सहित फोटोग्राफिक पेपर के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य \*\*\* डालर/वर्ग मी० बैठता है।

### निर्यात कीमत

निर्यातक ने जम्बो रोल्ल्स (आर सी तथा फाईबर टाइप, दोनों), निजी लेबल वाले आर सी टाइप तथा इलफोर्ड ब्रांड (आर सी तथा फाईबर टाइप, दोनों) के निर्यातों का ब्यौरा दिया है। निजी लेबल वाले आर सी टाइप के लिए निर्यात कीमतें, कारखाना द्वार स्तर पर दी गई हैं जबकि जम्बो रोल्ल्स तथा इलफोर्ड ब्रांड (आर सी तथा फाईबर टाइप, दोनों) के लिए निर्यात कीमत एफ ओ बी स्तर पर दी गई है। निजी लेबल वाले रेजिन कोटेड आर सी टाइप फोटोपेपर के लिए निर्यातक ने पैकिंग तथा अन्तर्राष्ट्रीय माल-भाड़ा के लिए \*\*\* तथा \*\*\* डालर/वर्ग मी० की राशि के समायोजनों का दावा किया है। अगली जांच होने तक प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य से प्राधिकारी ने निजी लेबल तथा इलफोर्ड ब्रांड, दोनों तरह के फोटोपेपर के निर्यात पर उपरोक्त समायोजनों की अनुमति दे दी है। ग्राहक/तकनीकी सहायता संबंधी समायोजन, जिसकी अनुमति घरेलू बिक्री के लिए दी गई थी, की अनुमति निर्यात के लिए भी दी गई है क्योंकि ये सामान्य खर्च हैं तथा ये केवल घरेलू बिक्री के लिए अनन्य रूप से नहीं हो सकते हैं। परिष्कृत उत्पाद, अर्थात् आर सी तथा फाईबर आधारित, दोनों सहित फोटोग्राफिक पेपर के लिए कारखाना द्वार स्तर की भारत औसत निर्यात कीमत \*\*\* डालर/वर्ग मी० बैठती है।

### (ग) मै० कंटमेयर

#### सामान्य मूल्य

निर्यातक ने यह इंगित किया है कि उनके द्वारा जांच अवधि के दौरान भारत को पैन केक रोल्ल्स का निर्यात (एकमात्र खेप) किया गया है और उनके द्वारा इस उत्पाद की घरेलू बिक्री अथवा भारत के अलावा अन्य देश को निर्यात नहीं किया गया है। इसलिए प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना का इस्तेमाल किया है और निर्यातक के लिए उस सामान्य मूल्य का संदर्भ लिया है जिसकी गणना जम्बो रोल्ल्स के संबंध में मै० इलफोर्ड के लिए की गई थी। इसका भारत औसत सामान्य मूल्य \*\*\* डालर/वर्ग मी० बैठता है।

### निर्यात कीमत

निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान निर्यात की गई एकमात्र खेप के लिए सी आई एफ कीमत दी है। निर्यातक ने समुद्री माल-भाड़ा तथा समुद्री बीमा के लिए क्रमशः \*\*\* तथा \*\*\* डालर/वर्ग मी०



की राशि के समायोजनों का दावा किया है। अगली जांच होने तक प्रारम्भिक निर्धारण के उद्देश्य से निर्यातक द्वारा बताए गए समायोजनों की अनुमति दी गई है। मै0 इलफोर्ड द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों से उपलब्ध जम्बो रोल्स के निर्यात संबंधी सूचना के आधार पर पैकिंग तथा अन्तर्राज्यीय माल-भाड़ा के लिए क्रमशः \*\*\* तथा \*\*\* डालर/वर्ग मी0 की राशि के समायोजनों पर विचार किया गया है। कारखाना-द्वार स्तर की भारित औसत निर्यात कीमत \*\*\* डालर/वर्ग मी0 बैठती है।

### (घ) फ्रांस

#### मै0 अगफा गेवर्ट ए जी, जर्मनी

#### सामान्य मूल्य

निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान जर्मनी के उपयोगकर्ताओं को की गई आर सी टाइप के जम्बो रोल्स की बिक्रियों का ब्यौरा इस बात का उल्लेख करते हुए दिया है कि उनके उत्पाद की बिक्री केवल भारत तथा जर्मनी में है। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा जर्मनी को की गई बिक्री के आधार पर सामान्य मूल्य का संदर्भ लिया है। निर्यातक द्वारा किसी समायोजन का दावा नहीं किया गया है। भारित औसत सामान्य मूल्य \*\*\* डालर/वर्ग मी0 बैठता है।

#### निर्यात कीमत

निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को की गई एफ ओ बी निर्यात बिक्रियों का ब्यौरा दिया है। प्राधिकारी द्वारा इसकी तुलना उक्त वस्तु के आयातक द्वारा दिए गए प्रत्युत्तर तथा याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए आंकड़ों के साथ की गई है। प्राधिकारी द्वारा अन्तर्राज्यीय माल-भाड़ा तथा पैकिंग के लिए \*\*\* तथा \*\*\* डालर/वर्ग मी0 की राशि के समायोजनों की अनुमति दी गई है। भारित औसत निर्यात कीमत \*\*\* डालर/वर्ग मी0 बैठती है।

### 5. पाटन - सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना

तुलना से संबंधित नियमावली इस प्रकार है:

"पाटन मार्जिन का निर्धारण करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्यात कीमत तथा सामान्य मूल्य के बीच एक निष्पक्ष तुलना की जाएगी। यह तुलना व्यापार के समान स्तर, सामान्यतया कारखाना-द्वार स्तर पर की जाएगी और यथा संभव उसी समय की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। प्रत्येक मामले में उसके गुणावगुणों के आधार पर, कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने वाले अन्तरों के लिए उचित समायोजनों की अनुमति दी जाएगी जिनमें शामिल हैं: बिक्री की शर्तों, कराधान, व्यापारिक स्तर, मात्रा, भौतिक विशेषताओं में अंतर तथा ऐसे कोई अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करते हुए प्रतीत होते हैं।"

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, पाटन के निर्धारण के उद्देश्य से जम्बो रोल्स तथा कट शीट्स के कारखाना द्वार स्तर के सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना अलग-अलग रूप से की गई है। कट शीट रूप में ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर के लिए आर सी तथा फाईबर आधारित फोटोपेपर की भारित औसत कीमत पर विचार किया गया है। अन्य गैर-सहकारी निर्यातकों के लिए सहकारी निर्यातकों हेतु यथा निर्धारित उच्चतम पाटन मार्जिन का संदर्भ लिया गया है।

निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन इस प्रकार है:

निर्यातक	उत्पाद (निम्नलिखित रूपों में रेजिन कोटेड तथा फाईबर आधारित, दोनों तरह के ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर)	सामान्य मूल्य (एन वी)	निर्यात कीमत (ई पी)	ई पी के % के रूप में पाटन मार्जिन
<b>यू.के.</b>				
मै0 इलफोर्ड इमेजिंग लि.	जम्बो रोल्स	*****	*****	35.75 %
मै0 कंटमेयर फोटोग्राफिक लि.	कट शीट्स	*****	*****	276.5%
कोई अन्य निर्यातक	जम्बो रोल्स	*****	*****	55.65%
	जम्बो रोल्स/कट शीट्स	*****	*****	276.5%
<b>फ्रांस</b>				
मै0 अगफा गोवर्ट ए जी	जम्बो रोल्स	*****	*****	22%
कोई अन्य निर्यातक	जम्बो रोल्स/कट शीट्स	*****	*****	22%
<b>हंगरी</b>				
मै0 फोर्ट कैमिकल कं0 लि0	कट शीट्स	*****	*****	219.4%
कोई अन्य निर्यातक	जम्बो रोल्स/कट शीट्स	*****	*****	219.4%

## 6. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में ".....पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ..... घरेलू उद्योग को हुई क्षति का

निर्धारण शामिल होगा । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है या कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती ।

भारत के घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए हम उपरोक्त नियमावली के अनुबंध II(iv) के अनुसार ऐसे संकेतकों पर विचार कर सकते हैं जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन इत्यादि ।

प्राधिकारी यह पाते हैं कि पाटित की गई संबद्ध वस्तुएँ दोनों तरह के कट शीट रूपों में तथा मास्टर रोल्स/जम्बो रोल्स रूपों में भी हो रही है । तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु की आपूर्ति केवल कट शीट रूप में की जा रही है और इसलिए, क्षति के आकलन के लिए कट शीट बाजार में हुए इन पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करना ही उचित है । प्राधिकारी पाते हैं कि:-

(क) कि हंगरी से हुए पाटित आयातों, अर्थात् कट शीट रूप में आर सी तथा फाईबर आधारित दोनों तरह के ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर की पहुँच कीमत ने घरेलू उद्योग को ऐसी कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य किया है जिसके फलस्वरूप उनकी निवल बिक्री प्राप्ति, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए तथा यथा निर्धारित क्षति-रहित बिक्री कीमत (एन आई पी) से कम रही ।

(ख) मै0 एगफा गेवर्ट द्वारा फ्रांस से आर सी किस्म के जम्बो रोल्स में किए गए ब्लैक एण्ड व्हाइट फोटोग्राफिक पेपर के पाटित निर्यातों का आयात मै0 जिन्दल फोटो फिल्मस लि0 द्वारा किया गया है और आयातक द्वारा उनका प्रसंस्करण किया गया है तथा उन्हें कट शीट्स में परिवर्तित किया गया है और अक्षतिकारक कीमत (एनआईपी) से भी कम कीमत (कर रहित) पर उन्हें घरेलू बाजार में उपभोक्ताओं को बेचा गया है, जिसके फलस्वरूप कीमतों में कमी आई और घरेलू उद्योग को क्षति हुई ।

(ग) जम्बो रोल्स के रूप में यू.के.से मै0 इल्फोर्ड इमेजिंग लि0 तथा मै0 केटमेयर फोटोग्राफिक लि0 द्वारा निर्यातित काले तथा सफेद कागज का आयात जांच अवधि के दौरान मै0 टैक्नो फोटो प्रा0 लि0 द्वारा किया गया है । इन जम्बो रोल्स की आयातक द्वारा कट शीट रूप में कटाई, प्रसंस्करण तथा उसकी पैकिंग की गई और उसने इन उत्पादों को एनआईपी से कम कीमतों (कर रहित) पर अंतिम उपभोक्ताओं को बेचा है जिसके फलस्वरूप कीमतों में कमी आई और घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।

(घ) मै0 इल्फोर्ड इमेजिंग लि0 द्वारा कट शीट रूप में निर्यातित काले तथा सफेद फोटोग्राफिक कागज का पंधुच मूल्य घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एनआई पी से कम है, जिससे कीमतों में कमी आई और घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

प्राधिकारी पाते हैं कि:

(क) सम्बद्ध देशों से रेसिन कोटिड/फाइबर आधारित काले और सफेद फोटोग्राफिक दोनों प्रकार के कागजों के आयात में निरपेक्ष रूप में और कुल आयातों की तुलना में वृद्धि हुई है जो 1997-98 में 7.2 लाख वर्गमीटर से बढ़कर वर्ष 98-99 में 8.5 लाख वर्गमीटर और जांच अवधि के दौरान 10.63 लाख वर्गमीटर तक हो गए।

(ख) कुल आयात में यू के, फ्रांस और हंगरी का बाजार हिस्सा 97-98 में 34.2 % से परिवर्तित होकर जांच अवधि में 40.4 % हो गया है।

(ग) जांच अवधि में अपरिष्कृत बेस पेपर की लागत को शामिल करके उनके द्वारा निष्पादित उजरती कार्य से प्राप्त हुए कन्वर्सन प्रभारों के आधार पर परिकलित निवल बिक्री प्राप्ति(एन एस आर) को क्षतिरहित बिक्री कीमत से कम पाया गया है जिससे वित्तीय घाटा हुआ है।

(घ) मै0 एच पी एफ का क्षमता उपयोग जो 1991 से 40 % रहा है, वर्ष 1997-98 में गिरकर 11-22 % और 98-99 में 3.2 % रह गया।

#### क्षति संबंधी निष्कर्ष:

प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि

(क) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में सम्पूर्ण रूप से वृद्धि हुई है जो कि 97-98 में हुए 7.2 लाख वर्ग मी0 से बढ़कर 98-99 में 8.5 लाख वर्ग मी0 और जांच अवधि में 10.63 लाख वर्ग मी0 हो गए।

(ख) यू.के. तथा फ्रांस से कट शीट रूप में आर सी और फाइबर आधारित दोनों किस्म के काले और सफेद फोटोग्राफिक पेपर के आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है जिससे घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमतें कम हो गई हैं।

(ग) हंगरी से कट शीट रूप में आर सी और फाइबर आधारित दोनों किस्म के काले और सफेद फोटोग्राफिक पेपर के आयातों में यद्यपि सम्पूर्ण रूप से कमी आई है, फिर भी घरेलू उद्योग की सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमतों को दबा दिया है।

(घ) उजरती कार्यों सहित मै0 एच पी एफ की घरेलू बिक्री के लिए निवल बिक्री आय क्षति रहित बिक्री कीमत से कम पाई गई है, जिससे वित्तीय घाटा हुआ है।

(ङ) (ड) 96-97 से जांच अवधि तक संबद्ध वस्तुओं की मांग लगभग 21 लाख वर्ग मी0 प्रति वर्ष रही है और इसलिए समग्र बाजार में गिरावट के कारण हुई क्षति में इसका कोई योगदान नहीं है। मांग की गणना संबद्ध देशों से ज्ञात आयातों, घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और अन्य गैर संबद्ध देशों से हुए आयातों के आधार पर जो कि गौण स्रोतों से प्राप्त सूचना अर्थात् (याचिकाकर्ता द्वारा मुहैया कराई गई सूचना) के अनुसार 1 लाख वर्ग मी0 प्रति वर्ष है, के आधार पर की गई है।

(च) मैसर्स एच पी एफ का बाजार हिस्सा 97-98 में 11.71 % से घटकर जांच अवधि में 6.8% रह गया है।

(छ) ये आर्थिक संकेतक सामूहिक और संचयी रूप से यह प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

## 7. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से उत्पादक एकाधिकार की स्थिति बना लेंगे और यह कि इससे लघु व्यवसायी फोटोग्राफरों को नुकसान होगा। प्राधिकारी मानते हैं कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को फिर से बहाल करना है जो कि देश के सामान्य हित में है।

यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही प्रतिबंधित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा। भारतीय उद्योग के ह्रास को रोका जा सकेगा और इस प्रकार काले तथा सफेद फोटोग्राफिक पेपर के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध हैं। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के प्रयोजन से प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन की इष्टतम लागत पर विचार करके घरेलू उद्योग के लिए भारत में दोनों रेसिन/फाइबर आधारित काले और सफेद फोटोग्राफिक पेपर की क्षतिरहित बिक्री कीमत (एन आई पी) पर भरोसा किया है। प्राधिकारी पाते हैं कि मै0 एन आई आई, मै0 ए पी आई एल से सम्बन्ध है और इसे घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा गया है तथा मै0 एन आई आई का मै0 ए पी आई एल के साथ संबंध होने के कारण यह उचित नहीं होगा कि मै0 एन आई आई के क्षति के मापदंड को पक्षपातपूर्ण नजरिये से देखा जाए क्योंकि मै0 एन आई आई द्वारा मै0 ए पी आई एल को की गई बिक्री बहुत अधिक प्रतीत नहीं होती है और इसलिए पाटन के कारण मै0 एच पी एफ को हुई क्षति पर गौर किया है। तथापि, मै0 एन आई आई संबद्ध वस्तुओं का एक प्रमुख घरेलू उत्पादक होने के कारण एक हितबद्ध पार्टी है। इसलिए प्राधिकारी ने मै0 एन एन आई द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संदर्भ में और उन्हें आदर्श मानकर क्षतिरहित बिक्री कीमत की गणना की है।

## 8. पहुँच मूल्य

अंतिम जांच होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजन से जम्बो रोल्ल्स एवं कट शीट्स के लिए पहुँच मूल्य का निर्धारण अलग-अलग धारा 3, 3 क, 8 ख, 9, 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर निर्धारणीय स्तर तक सीमाशुल्क, उतराई प्रभार के लिए 1 प्रतिशत और रख-रखाव के लिए 2 प्रतिशत जोड़ने के बाद किया गया है।

## 9. गैर-सहकारी निर्यातकों का मूल्यांकन

गैर सहकारी निर्यातकों के लिए, (जिन्हें अन्य निर्यातक वर्ग कहा गया है) वह डम्पिंग मार्जिन दिया गया जो सहकारी निर्यातकों के लिए उच्चतम पाटन मार्जिन पाया गया है। पहुँच मूल्य के आकलन हेतु सहयोगी निर्यातकों के बारे में पाए गए न्यूनतम सी आई एफ मूल्य का उपयोग याचिकार्ता के आंकड़ों को सह-संबद्ध करते हुए किया गया है।

## घ. निष्कर्ष

उपर्युक्त पर विचार करने के पश्चात् यह देखा गया है कि:

- क. यू के, फ्रांस और हंगरी मूल के या वहाँ से निर्यातित काले और सफेद फोटोग्राफिक पेपर सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत में निर्यात किया गया है। जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ।
- ख. भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- ग. क्षति संबद्ध देशों अर्थात् हंगरी, यू.के. और फ्रांस से आयातों के कारण हुई है।

यह आवश्यक समझा गया है कि अन्तिम रूप से निर्धारण होने तक संबद्ध देशों अर्थात् हंगरी, यू.के. और फ्रांस मूल के या वहाँ से निर्यातित काले एवं सफेद फोटोग्राफिक पेपर, जम्बो रोल एवं कट शीट दोनों के सभी आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए ।

प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क की धनराशि अथवा ऐसे कम शुल्क की सिफारिश करने पर विचार किया है जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो जाएगी । इस उद्देश्य के लिए अलग-अलग निर्यातकों के लिए आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ की गई थी । यह तुलना जम्बो रोल और कट शीट्स के लिए अलग-अलग की गई थी और जहाँ कहीं यह अंतर पाटन मार्जिन से कम पाया गया वहाँ पाटन मार्जिन से कम शुल्क की सिफारिश की गई है । तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि अन्तिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 37 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 3703.10 और 3703.90 के अधीन आने वाले हंगरी, यू.के. और फ्रांस मूल के या वहाँ से निर्यातित सभी संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना की तारीख से नीचे निर्धारित अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए ।

क्रम सं०	उत्पाद के मूल या निर्यात का देश	निर्यातक का नाम	उत्पाद (निम्नलिखित रूपों में दोनों प्रकार के रेजिनकोटिड और फाइबर आधारित काले एवं सफेद फोटोग्राफिक पेपर)	शुल्क की राशि (अमरीकी डालर/हजार वर्ग मी०)
1.	यू.के.	मै० इलफोर्ड इमैजिंग लिमि.	जम्बो रोल्स/कट शीट्स	390.7
		मै० केन्टमेयर फोटोग्राफिक लिमि.	जम्बो रोल्स/कट शीट्स	434
		कोई अन्य निर्यातक	जम्बो रोल्स/कट शीट्स	434
2.	फ्रांस	मै. अगफा गेवार्ट ए जी	जम्बो रोल्स/कट शीट्स	33.50
		कोई अन्य निर्यातक	जम्बो रोल्स/कट शीट्स	33.50
3.	हंगरी	मै० फोर्ट फोटोकैमिकल कं. लिमि.	कट शीट्स/जम्बो रोल्स	1698
		कोई अन्य निर्यातक	जम्बो रोल्स/कट शीट्स	1698

**ड. आगे की प्रक्रिया**

प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और उन पर अंतिम निष्कर्ष निकालते समय विचार किया जाएगा;

ख. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं तथा अन्य हितबद्ध ज्ञात पार्टियों को अलग से संबोधित किया जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के अन्दर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;

ग. प्राधिकारी यथोचित सीमा तक जांच करेंगे। इस स्थिति में कोई नया साक्ष्य स्वीकार नहीं किया जाएगा;

घ. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक उत्तर के लिए अवसर प्रदान करेंगे, जिसके लिए सभी ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को तिथि और समय की जानकारी अलग से भेजी जाएगी;

ड. अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी



**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th April, 2000

**PRELIMINARY FINDINGS**

**Sub: Anti-Dumping Investigation concerning import of Black & White photographic paper including both Resin coated/fibre based from UK, France and Hungary**

No. 19/1/99-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

**A. PROCEDURE**

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
  - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from the Petitioner M/s The New Indian Industries Limited (NII) and M/s Hindustan Photo Films Manufacturing Company Limited (HPF) having registered offices at Jetalpur Road, Post Box No. 2511, Baroda-390005 and Post Bag no. 1, Indu Nagar, Ootacamund-643005 respectively on behalf of domestic industry, alleging dumping of Black & White photographic paper including both Resin coated /fibre based (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from UK, France, Hungary and Czech Republic.
  - ii) Preliminary scrutiny of the application filed by petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented.
  - iii) The imports from Czech Republic were found to be de minimis during the period of investigation i.e. 1.4.98 to 30.6.99 and, therefore, Czech Republic was excluded from the scope of the investigation. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigation

against imports of subject goods from UK, France and Hungary (hereinafter referred to as subject countries). The authority notified the Embassies of UK, France and Hungary in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rule.

- iv) The Authority issued a public notice dated 27.8.99 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under custom Code 3703.10 & 3703.90 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from UK, France & Hungary.
- v) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2):
- vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter.
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation.
- viii) The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested.
- ix) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters/producers, in accordance with the Rule 6(4):

1. M/s Ilford Limited, Brussels
2. M/s Agfa-Gevaert S.A. C/o M/s Bayer India Ltd, New Delhi
3. M/s Kentmere Limited, UK
4. M/s Forte Photochemical Company, Hungary
5. M/s Chemofort Trading Ltd., Hungary

A number of parties requested for extension of time for filing information, which was allowed on due cause shown by the Authority upto 15.11.99.

- x) The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassies of the subject countries alongwith a list of known exporters/producers.
- xi) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):
  - 1. M/s Allied Photographics India Ltd. (APIL), Mumbai
  - 2. M/s Jindal Photo films Ltd., New Delhi
  - 3. M/s Techno Foto Pvt. Ltd., Uttar Pradesh
  - 4. M/s Sundar International, Mumbai

A number of parties requested for extension of time for filing information, which was allowed on due cause shown by the Authority upto 15.11.99.

Response to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers:

- 1. M/s Kentmere Photographic Limited, UK
- 2. M/s Ilford Imaging Limited, UK
- 3. M/s Forte Photochemical Co. Ltd., Hungary
- 4. M/s Agfa-Gevaert AG, Germany

Response to the questionnaire/notification was filed by the following Importers/user Associations:

- 1. M/s Jindal Photo Films Limited, New Delhi
- 2. M/s Techno Foto Pvt. Ltd., UP
- 3. M/s Delhi Professional Photographers Association, New Delhi
- 4. M/s Allied Photographics India Ltd. (APIL), Mumbai

- xii) Additional information regarding injury and product under consideration was sought from the petitioner(s), which was also furnished. The information on injury and cost of production was provided by the petitioner.
- xiii) The Authority conducted on the spot investigations at the premises of the petitioner(s) to the extent considered necessary.
- xiv) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- xv) Cost investigation was also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner.
- xvi) \*\*\*\*in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xvii) Investigation was carried out for the period starting from 1.4.98 to 30.6.99 i.e. the period of investigation (POI).

## **B. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

### **1. PETITIONER'S VIEWS**

#### **a) ON PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

1. The product under consideration is black and white photographic paper including both resin coated and fibre based papers classified under Custom Tariff sub-heading no. 3703.10 & 3703.90 of the Customs Tariff Act, 1975. The photographic paper is used for taking positive prints and enlargements from negatives. The technical specifications of the photographic paper is described in terms of contrast, sensitivities, printing range image tones, grammage, service texture etc. Black and white photographic paper both resin coated and fibre based is produced by coating of chemical emulsion over the raw base paper using the coating techniques. The type of paper and the emulsion required for RC type and fibre based photographic paper are different.

The coated jumbo rolls are, thereafter slitted to commercial sizes and packed.

b) ON DOMESTIC INDUSTRY

1. There are three producers of Black and White photographic paper in India i.e. M/s NII, M/s HPF and M/s Ravi Shankar. M/s HPF has mainly job work orders and M/s RaviShankar has closed the operations.
2. Regarding relationship between M/s NII and M/s APIL, the amended anti-dumping rules notified on 15.7.99 would apply to the present investigations. The Designated Authority has a discretion with regard to the issue of relationship and inclusion/exclusion of a company which is related to an exporter, an importer or is itself an importer of the subject goods. Designated Authority has applied amended rules in number of cases. There are number of cases in the EU wherein the community authorities have included the importer in the scope of domestic industry.
3. M/s NII and M/s APIL are public limited companies and governed by Companies Act and their memorandum of Association and Articles of Association. The day to day functioning of the two companies is vested in the whole time director of each company, who are professional persons and, therefore, day to day operations of the two companies are not related.
4. The common Director can't in any situation influence a decision where desired as he lacks necessary quorum nor is he allowed to participate in interested issues.
5. The common Director in any case is constrained by Section 30 of the companies Act, 1956 for participating in matters of the company in which he is interested.
6. The question of M/s NII and M/s APIL relationship has been examined by the Government bodies in 1969 and as well as in 1974 and High Court in 1987 has passed the order for refund of the excise duty levied.
7. M/s NII and M/s APIL are basically run by the Board of Director who control all aspects of business. They have to refer to the share holders only in instances which are covered under Section 293 of the companies Act, 1956.

8. A person or Company can not control the other merely because of investments.
9. The whole case of M/s NII is that M/s APIL has imported the material which has caused material injury to the company.

c) ON LIKE ARTICLE

1. There is no significant difference in the petitioner's product and photographic paper exported from subject countries. The two are similar in terms of physical characteristics (size, chemical composition, and raw material), manufacturing process/technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification.
2. There is no significant difference in the production process as employed by the petitioners and the exporters in the subject countries which can have an impact on price barring some differences in the coating techniques.

D) ON DUMPING

1. The normal value of the subject goods in UK, France and Hungary are illustrated on the basis of the price list for sales of subjects goods in UK under Section 9A (1)©(I), normal value in relation to an article means " the comparable price for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory". The normal value for France and Hungary being members of EU may also be referenced from the price list submitted for UK.
2. The export price from these countries are evident from the information compiled by the secondary source viz. informant since the DGCIS data contain only weight in MT and the subject goods are imported in various denominations in the country.
3. The export price may be adjusted for packing, clearing and forwarding to an extent of \*\*\*\$/sqmtr. Respectively.

E) ON INJURY

1. The import of photographic paper are increasing and the market share of Indian industry is declining.

2. The production of domestic industry is declining due to increase in dumped imports from the subject countries. M/s NII has reduced its production and M/s HPF have stopped producing except for job orders. The capacity utilization of M/s NII which was 79.64% in 93-94 declined to 58.8% in 96-97 and has stagnated at that level. The sales volume of domestic industry is declining due to increase in imports.
3. The imports from subject countries have suppressed the prices of the subject goods in India.
4. The increase in imports by M/s APIL is the market loss by the Indian industry.
5. Despite lower sales and production, industry has to maintain the employment level to protect labour establishments.
6. The profitability of the domestic industry has reduced in the last 5 years.
7. There is no significant change in the demand of black and white photographic paper in India. Though demand of black and white paper has not increased to the extent it should have been, in view of increasing use of coloured photographic paper yet the demand has not declined to a significant degree. The changes in demand have, therefore, not contributed to any injury to the domestic industry.

## 2. EXPORTER'S VIEWS

### a) ON PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

M/s Forte Films and papers, Hungary has made the following submissions:-

1. There are two types of products delivered to India by them both mainly in the size of 18 x 24 Cm i.e. fibre based double weight photo paper and resin coated RC photo paper.

M/s Ilford Imaging has made the following submissions :-

1. M/s HPF has not manufactured resin-coated paper at all during the investigation period. Therefore, there would be no domestic producer for this product at all.

2. There is a distinction between photographic paper in jumbo rolls and the cut and finished paper. Since rolls requires further processing as well as packaging before the same can be sold in the market in the cut and finished form.
3. The domestic industry exists in respect of finished and cut photographic paper. Neither of the two domestic producers is selling black and white photographic paper in jumbo rolls which is an industrial raw material distinct in its identity and functionality from the cut and finished paper. In the absence of a product similar to the photographic paper in jumbo rolls being manufactured and sold in India, there is no domestic industry for this product and, therefore, investigations are required to be confined to exports of Black and White Photographic paper in their finished and ready to use form.
4. Commercially as well as legally black and white photographic paper in jumbo rolls is not comparable to finished and ready to use paper. The products are priced differently in various markets and their costs of production are also different. The manner in which the two products are sold in international trade also varies. The two products functionally are not interchangeable. As per the Indian Law, the conversion of photographic paper from jumbo rolls into finished products has been treated as a process of manufacture by a circular issued by the Central Board of Excise and Customs (CBEC). Therefore, there is no domestic industry in India for black and white photographic paper in jumbo rolls.

b) ON DOMESTIC INDUSTRY

M/s Ilford has made the following submissions:-

1. M/s NII and M/s APIL fall within the definition of related person on account of M/s NII being significant share holder in M/s APIL, both companies being operationally under common management i.e. Shri G D Ghia who is the chairman of the complainant company is a Director in M/s APIL.
2. M/s NII sells to M/s APIL by passing substantial portion of its products to M/s APIL thereby benefiting its profit which indicate extra commercial relationship between the two companies.
3. M/s APIL uses the brand name 'Sterling' which is the registered brand name for M/s NII for all photo sensitised materials. It is unclear as to why M/s NII who claims to be aggrieved by the



imports from M/s Ilford has permitted an importer to sell the allegedly dumped import goods under its own brand name. This indicates that M/s APIL is operationally in a position to exercise restraint or direction over M/s NII. Also the balance sheet of M/s APIL does not reflect any payment made by M/s APIL to M/s NII for use of this brand name.

4. M/s Ilford and M/s APIL had legal agreement for sale of M/s Ilford paper in India under the brand name 'Sterling' which has been signed by Mr. G D Ghia.
5. The Hon'ble Supreme Court in a number of cases have held that "the veil of corporate entity can be lifted to pay regard to the economic realities behind the legal façade". DA should not hesitate to lift the corporate veil and to examine the person or persons who are behind the two companies.

c) ON LIKE ARTICLE

M/S Ilford has made the following submissions:-

1. There is a domestic industry in respect of finished and cut photographic paper only and as such investigations may be convened to exports of black and white photographic paper in their finished and ready to use form only for which there exists a domestic industry.
2. There is no product similar to photographic paper in jumbo rolls being manufactured and sold in India and there is no domestic industry for this product.
3. Jumbo rolls, finished and ready to use papers are functionally not interchangeable.

M/s Kentmere has made the following submissions:-

1. The exports from M/s Kentmere were in parent rolls/jumbo rolls which is not at all comparable with the product being sold by M/s NII which is ready to use form whereas the export product of M/s Kentmere is an industrial material. The two products are not commercially or functionally interchangeable by virtue of the difference in size, category etc.

M/s Agfa-Gevaert S.A. has made the following submissions:

1. We do not export the product which is the subject matter of the complaintant namely, black and white photographic paper manufactured by the complainants. We do not supply finished black and white photographic paper in the Indian market. The product supplied by us is master rolls of black and white photographic paper to our clients who then process the same and make it black and white photographic paper in India.

d) ON DUMPING

M/s Forte Films and Papers has made the following submissions:-

1. Forte factory is the manufacturer of the product in question and exports to India and to other countries are managed by Chemoforte Trading Ltd., the sole exporter of Forte products on commission basis.
2. Estimation of Normal value as drawn up by the parties who filed the petition cannot be accepted. In view of the fact that standard of living in Hungary is considerably low with both low purchasing power and prices normal value as compared to other EU companies should be taken at 47% mark as stipulated in petition.
3. Sales prices in India are lower than the others which is on account of benefit of the large scale of production. For local sales we give discounts and also there are different packing costs between the Indian and Hungarian product.
4. For fibre based papers, the cost for low prices was due to the fact that we had to clear the high stock of raw material and also for the RC papers we had a great stock of raw material and due to the amendments to the Hungarian Acts in 95, consignment stores had to be terminated so we took possession of raw material stocks which considerably exceeded our market possibilities. Urgent need was there to repay different loans to our bank and these financial reasons forced us to clear these stocks rapidly.
5. Considering the fact that the profitability of our sales on the Indian market was substantially lower on other markets we were compelled to initiate further price increase from 1.7.99.
6. The cost of packaging, special commission in local market and publicity expenses burden the final costs.

M/s Ilford has made the following submissions:-

1. M/s Ilford is manufacturing two different products viz. Black and White photographic paper in jumbo rolls and in cut and finished form. M/s Ilford does not sell jumbo rolls in the domestic market. There are third country exports of jumbo rolls. The prices of the third country exports are marginally higher than the export price to India. This difference is on account of the fact that 50% of the total production of jumbo rolls by M/s Ilford is to M/s Techno Foto as a result M/s Ilford offers quantity discounts to M/s Techno Foto on their purchases. The third country exports of jumbo rolls conclusively proves that there is no difference between the export price and normal value for photographic paper in jumbo rolls. The charge of alleged dumping is therefore, totally without any basis.
2. Our costing adequately shows that we are exporting our products after earning appropriate profits. Our exports are not below the costs and the charge of dumping is totally un-substantiated.
3. We are selling black and white photographic paper with our brand name as well as the private label brand name of our customer. M/s Ilford has a very good reputation in the international market and is an established exporter since more than 60 years. M/s Ilford spends considerable sums on promotion of its brand name so as to increase the marketability of the production as a result Ilford brand name commands a much higher price in the market as compared to the paper with the brand name of the customer. It is, therefore, not possible to compare the price of the Ilford brand production with the price of the private label production.
4. Ilford sells both Ilford brand paper and private label paper in the domestic market. The same is the position in respect of third country exports.
5. Whether normal value is in respect of cut and finished paper is determined on the basis of domestic price or third country exports there would be no margin of dumping.
6. The export price of Ilford compared with the export figures of M/s NII taken on a FOB basis. It is, therefore, seen that there is no suppression of prices and that Ilford exports are at competitive prices.
7. M/s Ilford does not follow product marketing policy and its policy is competitive and based on marketing conditions. This is amply demonstrated from the data given in the Questionnaire.

M/s Kentmere has made the following submissions:-

1. M/s Kentmere has made exports to India after negotiation with the Indian party at a price which indicate adequate profit for M/s Kentmere. The exports are not at prices which have been artificially lowered for the Indian market.
2. There are no domestic sales and third country exports for this product.
3. The market share of M/s Kentmere of a single consignment of 5351/sqmtrs is less than even 0.5% which cannot have any impact on an Indian producer. Under the GATT Agreement it has been provided that exports from country are below 3% of the total dumped exports then the initiation is required to be terminated by virtue of the de minimus principle. The de minimus principle is based on the idea that if the volume of exports is so low dumping cannot arise. This applies to the exports made by M/s Kentmere also.

M/s Agfa-Gevaert S.A. has made the following submissions:

1. Since we do not offer any like product directly in Indian market, we have not caused any injury to the domestic industry. No anti-dumping duty would be leviable on master rolls of black and white photographic paper exported by us.

3) ON INJURY

M/s Ilford has made the following submissions:-

1. Under the GATT Agreement, the authority should determine when the injury is material or not and whether there is significant price under-cutting by the dumped imports.
2. The quantum of exports to India from Ilford have declined from 5.17 lakh Sq in 1997 to 3.87 lakh Sq in 1999. The export price of M/s Ilford have remained stagnant in respect of private label and have risen by 56% in case of jumbo rolls.
3. No injury has been caused to the complainant since the landed cost of export goods is higher than the sale price of the complainant.
4. Sales of the complainant have increased by about 20% during the investigation period and, therefore, the claim to alleged injury is not worn out.

5. It is not appropriate to compare the data for the complainant for the year 98-99 with the previous financial year 97-98 since in the year 97-98 market size increased due to official documentation in the Indian government. For a realistic comparison data as given for 96-97 should be compared for investigation period.
6. M/s NII is not suffering on account of imports by M/s APIL since the imports by M/s APIL have reduced and further M/s NII has alleged M/s APIL sold the imported goods under its brand name.
7. The complaint have-not filed any evidence of injury during the period from Jan. to June, 1999.
8. As regards, M/s HPF, the company is suffering for since many years due to financial and managerial irregularities.
9. The injury to M/s HPF is not on account of imports but on account of poor business practices. The financial position of M/s HPF is due to poor strategic investment into medical X-ray photographic film and they ran out of cash in 1994. IN fact, M/s HPF has increased a market share of around 25%, which is substantial. There can be no case of injury in such circumstances.
10. The complainant has stated that the size of Indian market is around 20 lakh sqr per annum. The sales of domestic producers is around 14 lakh sqr which constitutes 70% of the market size.
11. The complainants are therefore, dumping these supplies in the Indian market and import have not affected these producers in any way.
12. The complainant has requested for a cumulative analysis of injury. Under Article 3.3 of GATT Agreement cumulative evaluation is appropriate in situations where exporting companies display similar market behaviour. The market behaviour of M/s Ilford is very distinct and different from that of other exporting countries. Therefore, cumulative assessment of injury is not warranted in the present case.
13. The complainant has made huge investments for creating a production capacity of around 6.5 million sqr mtr which is unrealistic for a sunset industry where demand is gradually decreasing and stagnant.
14. Complainant have themselves estimated the Indian market size to be of around 2 million sqr mtr and, therefore, production capacity of 6.5 million sqr mtr. is based on an incorrect reading of the Indian market due to which the complainants are always under utilised raising their per unit costs and unable to enjoy economy of scales leading to injury.

15. M/s HPF does not have a sale price since they are undertaking job work of raw material owned by their customers. They are not involved in sale transactions. M/s NII on the other hand, on account of its relationship with M/s APIL parts a large portion of its profits around 35% to APIL. The information, therefore, given by the complainant relating to sales realization, profitability etc. should be disregarded.
16. The investigations cover 5 out of 9 manufacturers of black and white photographic paper in the world. Of the remaining 4, two are domestic producers and two have a minor share in the international market. The complainant is effectively trying to stop its competitors from selling their products in the Indian market. The imposition of duty would only facilitate exploitation of the local market by the complainants by driving out fair competition.
17. Income of the complainants has increased from Rs. 2047.93 lakhs to Rs. 3531.85 lakhs. The complainant in the previous year was incurring a loss of around Rs. 23 lakhs. As against this, the complainant has made profits of around Rs. 3.29 lakhs in the investigation period.
18. In paragraph 2.1 in the Annual Report of M/s APIL and of M/s NII 98-99, it has been stated that sales volume and turnover of Black and white photographic paper have improved. It is also stated that there was considerable pressure on account of imports as a consequence of reduced import duty on finished goods. The effect of reduction of duties cannot be contributed to dumping. From page 30 of the Annual Report it is seen that the export prices of M/s NII comes of RS. 80.86/sqrmtr which is comparable with the export of M/s Ilford.
19. From page 21, the inventories of finished product have declined from Rs. 60 lakhs to Rs. 36 lakhs indicating that there is no piling up of inventories.
20. On page 20, it is not that the petitioners have a share value of Rs. 20476.30 (Fifteen thousand fifty equity shares) in M/s APIL indicating that M/s NII and M/s APIL are related
21. From the annual Report, M/s Ilford has constructed the cost and have indicated that the complainant is earning a profit of Rs. 30 to 35/sqr mtrs and whereas the sale price to M/s APIL is Rs. 171/sqmtr whereas the price to the ultimate customer is eventually Rs. 257/sqmtr. The difference between the costs and the sale price to the customer indicates that the complainant is operating with huge profits.

22. It can be seen from the Annual Report of M/s APIL that they incur Rs. 19 lakhs on publicity and sales promotion. The service charges to C&F agents are only around Rs. 37 lakhs. These expenses cannot justify a huge margin which has been given by M/s NII to M/s APIL.

**f) OTHER ARGUMENTS**

**M/s Ilford has made the following submissions:-**

1. M/s Ilford is aggrieved by the initiation of investigation for the second time. In the earlier proceedings M/s Ilford had fully cooperated and provided the complete information and the ground of withdrawal of the earlier complaint was that the complainant wished to include Hungary and Czech Republic in the scope of investigations. The authority should not permit manufacturers to take the proceedings lightly since it involves considerable time and money.

**3. IMPORTER'S AND USER ASSOCIATION's VIEWS**

- a) ON PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

**M/s Techno Foto has made the following submissions :**

1. M/s HPF does not manufacture resin coated paper and its operations are confined to fibre coated paper. The two products are different as they are manufactured from different type of base paper and the techniques of cutting and uses are also different. In terms of usage resin coated paper has the advantage that it has quicker drying and no glazing is required. M/s HPF is, therefore, not the domestic industry as far as resin coated papers are concerned.

**Delhi Professional Photographers Association has made the following submissions :**

1. M/s NII manufactures four grades of black and white photographic paper. Though the cost price of all the grades are

same, two grades have higher selling price since their competitors do not produce these two grades. This shows the intention of the complainant company and their motive behind the move.

2. The complainant company is in fact exporting their products and similarly importing the same from M/s Ilford under their own brand name. What is the logic of the complainant company behind this and what our country is achieving in regard to the foreign exchange?

b) ON DOMESTIC INDUSTRY

M/s Techno Foto Pvt. Ltd. has made the following submissions :-

1. M/s NII and M/s APIL are related on account of commonality of management, share holding of M/s NII in M/s APIL, extra commercial relationships between M/s NII and M/s APIL and use of the brand name of M/s NII by M/s APIL on its imported product.
2. From the balance sheet of M/s APIL it can be seen that no payments have been made by M/ NII for use of its trademark and, therefore, the two companies have common interests and hidden relationship.

Delhi Professional Photographers Association has made the following submissions :

1. M/s NII and M/s APIL are co-related companies having family holdings since 1961.
2. M/s NII have been giving high margins of about 40% to M/s APIL.

c) ON LIKE ARTICLE

M/s Techno Foto has made the following submissions :-

1. The Black and White resin coated Photographic paper in jumbo rolls is are raw material which cannot be compared with the complainant finished product. The jumbo rolls require further process of sheeting and packing before it can be converted to ready to use form of photographic paper and, therefore, the two products cannot be compared for the purpose of anti-dumping investigations. If a view is taken that both jumbo rolls and finished products are



products under investigation then we should also form part of the domestic industry as we are also manufacturers of finished photographic paper.

d) ON DUMPING

M/s Techno Foto has made the following submissions :-

1. The exporters viz. M/s Ilford are selling branded products in their domestic markets whereas exports to India are un-branded. The prices in the domestic market on account of value of brand name and expenses incurred will, therefore, be different.
2. The export price of the complainant are same to the price at which M/s Ilford has exported to India. There is, therefore, no case on the issue related to dumping.
3. The present complaint has been made to create monopolistic conditions for the complainant and M/s APIL who would be in a position to hike prices of this product.

e) ON INJURY

M/s Techno Foto has made the following submissions :-

1. Our selling price of final product after converting jumbo rolls to finished product compares with the selling price of M/s NII and, therefore, there is no injury caused to the complainant.
2. The injury to M/s HPF which had been closed down for about 6 years before the POI is due to mis-management, excess number of employees and declining demand for black and white photographic paper.
3. The complainant was forced to reduce the prices on account of reduction in rates of customs duty.
4. M/s NII is charging Rs. 44.86 as coating and finishing charges including confectioning when doing work on job work basis for M/s Shanky Films. After adding the cost of base paper and miscellaneous paper, the complainant's cost of production would come to a maximum of Rs. 80.9 per packet of 25 sheets of standard dimensions. M/s NII is selling at Rs. 140 thereby earning a profit of Rs. 29. The sales of domestic producers taken as a whole has increased during the POI. The quantum of exports have

declined and the export prices have increased and no injury has been caused to the complainant.

5. The levy of anti-dumping duty will effectively debar industries such as M/sTechno Foto Pvt. Ltd. and others who are engaged in the confectioning of black and white photographic paper jumbo rolls.

f) OTHER ARGUMENTS

M/sTechno Foto pvt. Ltd has made the following submissions:-

1. The subject goods is a low cost item for use for common man and imposition of duty would ultimately result in increase in price of the product which is not in national interest.
2. There are state and national level organisations and federations of All India Photographers trade. The complainant is aware of the organisations but has not mentioned their names as it wishes to prevent them from presenting their views before you.

M/s Jindal Photo has made the following submissions:-

1. The levy of anti-dumping duty would create monopolistic condition for the domestic manufacturers which would be detrimental to the interests of the consumers.
2. The levy of anti-dumping duty would be against the spirit of liberalisation and globalisation of Indian economy. The quality of the product manufactured by the indigenous producers is not upto the mark and by levy of duty their inefficiency and poor quality product of their product will be rewarded.

Delhi Professional Photographers Association has made the following submissions :-

1. The statement by the complainant that there is no organisation of users of photographic products is totally lie and highly objectionable and hence the complainant are liable for stern action.
2. The earlier petition of the complainant was withdrawn because it was strongly opposed by our Association and the standing that they would not be able to succeed in the matter.
3. The fresh complaint is old wine in new bottle. M/s HPF is a sick unit historically and it has become bankrupt.

4. The complainant companies have malafide intentions and ulterior motive to grab 100% monopoly.

**C. EXAMINATION BY AUTHORITY**

The foregoing submissions made by the exporters, the importers, the petitioner and other interested parties, to the extent these are relevant as per Rules and to the extent these have a bearing upon the case, have been examined and considered and have been dealt with at appropriate places in these findings.

**1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

The product under consideration in the present investigation is black and white photographic paper including both resin coated and fibre coated papers in all forms viz. cut sheets and jumbo roll (also called master rolls) (hereinafter referred to as subject goods). The product is classified under custom headings 3703.10 and 3703.90 of the Customs Act, 1975.

**2. LIKE ARTICLE**

The Authority notes that it has been argued by many interested parties that the imports of the subject goods are taking place in the form of jumbo rolls which is to undergo further processing and packaging for arriving at the end product i.e. cut sheets. The process involving such a transformation is also a manufacturing activity which includes value addition and this has been recognized by the Central Board of Excise and Customs (CBEC) as a manufacturing activity. Further it has been argued that the domestic industry excluding NII which is related to M/s APIL, has not produced RC grade photographic paper in the Period of Investigation and has restricted its activities only to fibre base photographic paper. It has been mentioned that as far as jumbo rolls is concerned there is no domestic industry and that this product is entirely different from the product manufactured and sold by the domestic industry and, therefore, the investigations should exclude jumbo rolls and be restricted to only cut sheets of fibre base type. The various end-uses and advantages of RC type black and white photographic paper over the fibre base

photographic paper in the form of less development time, convenience, less cost and new technology have been illustrated.

The authority for the purpose of examination of the like article has considered physical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. The authority notices that despite the fact that domestic industry does not sell jumbo rolls in the domestic market, the product jumbo rolls is essentially a form of photographic paper. The further processing required to convert photopaper in rolls form to cut sheet which is essentially cutting and packaging is not a significant manufacturing value addition activity and does not change the composition or the type of product. Further the authority notices that the core of the manufacturing for the photographic paper industry is the coating technology which is there in both imported jumbo rolls and cut sheets. However, to the extent value addition takes place in converting jumbo rolls to cut sheet, the authority for the purpose of injury determination and normal value proposes to take this aspect into account and compare at appropriate levels.

The authority notes that many interested parties have produced articles highlighting the advantages of RC type photographic paper V/s the fibre coated (Baryta type paper). The authority notes that it has been indicated that RC type paper is a newer technology requires less of developmental time, is cheaper and is also used as a convenience material by professional photographers in application like Identity Cards, Passport photo cards. It has been indicated that the fibre coated paper i.e. Baryta type is an old technology in which the processing and developmental time is much higher, costs are high and is used by professional artists for a different use.

The Authority notes that there are definitive advantages of RC type paper over the fibre based, Baryta type paper. However, the authority also notes that it has been indicated in the article produced that there has been a shift in the commercial usage of the product under consideration from fibre based to RC based. The authority also further notes that in one of the articles, it has been indicated that the choice of the product is essentially a personal preference. Further, it is noticed that the price variation

in the two types of the products is not very wide and that the custom tariff classification is also the same for the two types of the product. The fact that over the years one product has substituted the other product in usage and that the choice still remains a personal preference establishes that there exists substitutability of the two types RC and fibre based photographic paper are, therefore, like article within the meaning of the rule 2(d). The authority, therefore, considers the products exported by the subject countries i.e. UK, France and Hungary and those manufactured by the domestic industry as Like Article within the meaning of the rule 2(d).

### 3. DOMESTIC INDUSTRY

The Authority notes that M/s Allied Photographics India Ltd. (APIL) is the distributor for M/s NII and is also an importer of the subject goods. The authority on the basis of the information and evidence provided by various interested parties on linkage between M/s NII and M/s APIL on account of common management viz. Chairman of M/s NII being a Director in M/s APIL, commonality of brand name i.e. Sterling, share holding pattern of M/s NII and M/s APIL and the transactions between M/s NII and M/s APIL being governed by extra commercial relationship and not being at arms length, considers it appropriate to exclude it from the scope of domestic industry. The other producer M/s HPF in the event of exclusion of M/s NII represents the domestic industry in totality. The petition is, therefore, maintainable and satisfies the requirement for the domestic industry as per rule 5(3)(a)(b) and is domestic industry within the meaning of the rules 2(b).

### 4. NORMAL VALUE & EXPORT PRICE

Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);  
or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

The exporter-wise normal value and export price determination is illustrated below.

### HUNGARY

#### M/s Forte Photochemical PLC., Vac

It has been mentioned by M/s Forte Photochemical PLC., Vac that normal value for Hungary cannot be equated with that of UK and France in view of GDP and per capita income differences.

The authority notes that details of domestic and export sales have been provided for the POI by the exporter and has, therefore evaluated normal value and export price as detailed below. The authority also notes that the submission by the exporter indicated that they were clearing stocks which implicitly implies a distress export sale which has led to dumping as illustrated in the following paras.

### Normal value

The exporter has provided details of domestic sales for the RC based Fortespeed photo paper for the POI. The exporter has claimed adjustment on VAT to an extent of \*\*\*% of the list price which has been allowed for the purpose of preliminary determination pending further investigation. No other adjustments have been claimed by the exporter.

For the fibre base grade photo paper, there are no domestic sales and as well as third country exports other than India. The authority has considered the weighted average normal value for both the grades viz. RC type and fibre base which in this case is the normal value for the RC type only in view of no domestic sales and third country exports of fibre type other than to India. The weighted average normal value comes to \*\*\*\$/Mtr.sq.

### Export Price

M/s Forte Photochemical PLC., Vac has exported through M/s Chemofort Trading Ltd., Budapest. The exporter has submitted information regarding export of Bromofort BS-4, BSP-4, the fibre base grades, double weight photo paper in special bulk packaging of 500 sheets per box of 18 X 24 CM size and Fortespeed grade, the resin coated RC photo paper in special bulk packaging of 500 sheets per box of 18 X 24 CM size separately during the POI. The exporter has claimed adjustments on packing, inland freight, ocean freight and commission to an extent of \*\*\*, \*\*\*, \*\*\* & \*\*\*\$/mtrsq. The authority has allowed these adjustments for the purpose of preliminary determination pending further investigation. The authority has also allowed adjustment on ocean insurance to an extent of \*\*\*\$/mtrsq. The weighted average export price for the two grades comes to \*\*\*\$/mtrsq.

## United Kingdom

### M/s Ilford Imaging Ltd.

The exporter has mentioned that separate comparisons be done for jumbo rolls, cut sheets (Ilford brand and private label), since the branded product is sold at higher prices. The authority notices that difference on

account of brand name have not been quantified and further that both private label and Ilford brand are exported to India and also to other third countries. The authority, therefore, has considered evaluation of jumbo rolls and cut sheets irrespective of brand name or private label separately, as detailed below.

### Normal Value

The exporter has provided details of domestic sales of various forms/grades of RC and fibre based photopaper during the POI viz. in jumbo rolls, cut sheet form with private label and cut sheet for with Ilford brand. The exporter has indicated that they have sold Ilford brand fibre based photo paper, private label RC type, and Ilford brand RC type only in the domestic market. Fibre based private label are neither sold in domestic market nor exported to third country other than India. As regards, jumbo rolls, RC type and private label fibre type they have third country exports and no domestic sales. For fibre based jumbo rolls there are no domestic sales or exports to the third country. As the authority has already in the foregoing para on like article considered RC and fibre types as Like Article, the authority has calculated the weighted average normal value for jumbo rolls (including both RC and fibre base type) and finished product i.e. cut sheet photographic paper (private and Ilford brand for both RC and fibre type) separately as illustrated below.

### Photographic paper in jumbo rolls

For the purpose of calculating normal value for jumbo rolls, the third country exports of RC type has been referenced as there are no domestic sales. The exporter has claimed adjustments on packing and inland freight to an extent of \*\*\* & \*\*\*\$/mtrsq which have been allowed for the purpose of preliminary determination pending further investigation. For the fibre type jumbo rolls the normal value of RC type has been referenced as there are no separate domestic sales or the third country exports and the both RC and fibre based photographic paper are considered as the like article. The weighted average normal value for the jumbo rolls (both RC/fibre type) comes to \*\*\*\$/mtrsq.



### Photopaper in finished form i.e cut sheet form

The exporter has provided details of domestic sales for Ilford brand fibre based photo paper, Ilford brand RC type photo paper and private label RC type photo paper. For the private label fibre based photo paper the exporter has provided sales to third country other than India. The details with respect to private label for both RC and fibre type have been provided at ex-factory level whereas for the Ilford Brand for both RC and fibre type have been provided at the FOB level. The exporter has claimed adjustments on account of packing, inland freight and customer service/technical service to an extent of \*\*\*, \*\*\* & \*\*\*\$/mtrsq. The authority has allowed the same for the purposes of preliminary determination pending further investigation. The normal value for Ilford brand (both RC/fibre type) and private label RC type has been referenced on the basis of domestic sales with applicable adjustments as indicated above, while for the private label fibre type third country exports have been considered with the applicable adjustments as indicated above. The weighted average normal value for the finished product i.e. photographic paper including both RC and fibre based in cut sheet form comes to \*\*\*\$/mtrsq.

### Export Price

The exporter has provided details on exports of jumbo rolls (both RC and fibre type), private label RC type and Ilford brand (both RC and fibre type). The export prices for the private label RC type are provided on ex-factory level while for the jumbo rolls and Ilford brand (both RC and fibre type) on the FOB level. The exporter has claimed adjustments on packing and inland freight to an extent of \*\*\* & \*\*\*\$/mtrsq for the private label resin coated RC type photo paper. The authority has allowed the above adjustments on both private label and Ilford brand photo paper exports for the purpose of preliminary determination pending further investigation. The adjustment on customer/technical support as allowed for domestic sales is also allowed on exports since these are general expenses and cannot be exclusively for domestic sales only. The weighted average ex-factory export price for the finished product i.e. photographic paper including both RC and fibre based comes to \*\*\*\$/mtrsq.

C) M/s KentmereNormal value

The exporter has indicated that they have exported pan cake rolls (single consignment) to India during the POI and have not sold this product in domestic market or exported to third country other than India. The authority has, therefore, used the best available information and referenced the normal value as calculated for M/s Ilford in respect of jumbo rolls for the exporter. The weighted average normal value comes to \*\*\*\$/mtrsq.

Export price

The exporter has provided CIF price for the single consignment exported during POI. The authority has claimed adjustments on ocean freight and ocean insurance to an extent of \*\*\* & \*\*\*\$/mtrsq respectively. The adjustments as indicated by the exporter have been allowed for the purposes of preliminary determination pending further investigation. The adjustments on packing and inland freight have been considered to an extent of \*\*\* & \*\*\*\$/mtrsq respectively on the basis of information on jumbo rolls exports as available from the data submitted by M/s Ilford. The weighted average ex-factory export prices comes to \*\*\*\$/mtrsq.

d) FranceM/s Agfa Gevaert AG, GermanyNormal value

The exporter has provided details of sales of jumbo rolls RC type to users in Germany during the POI mentioning that the sales of their product is in India and Germany only. The authority has referenced the normal value on the basis of the sales made by the exporter to Germany. No adjustment have been claimed by the exporter. The weighted average normal value comes to \*\*\*\$/mtrsq.

**Export Price**

The exporter has provided details of FOB export sales to India during the POI. The authority has co-related the same with the response given by the importer of the said goods and the data provided by the petitioner. The authority has allowed adjustments on inland freight, and packaging to an extent of \*\*\* & \*\*\*\$/mtrsq. The weighted average export comes to \*\*\*\$/mtrsq.

**5. DUMPING-Comparison of Normal Value & Export Price**

The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

For the purpose of determination of dumping the comparison of normal value and export price at the ex-factory level as mentioned above has been made for jumbo rolls and cut sheets separately. For the Black and White Photographic Paper in cut sheets weighted average of RC and fibre based paper has been considered. For the other non-cooperative exporters, highest dumping margin as determined for the cooperating exporters has been referenced.

The dumping margin for exporters comes as under:

Exporter	Product (Black & white photographic paper both resin coated and fibre based in the following forms	Normal value (NV)	Export price(EP)	Dumping margin as % of EP
<u>UK</u>				
M/s Ilford Imaging Ltd.	Jumbo rolls	*****	*****	35.75%
M/s Kentmere Photographic Ltd	cut sheets	*****	*****	276.5%
	Jumbo rolls	*****	*****	55.65%
Any other exporter	Jumbo rolls/cut sheets	*****	*****	276.5%

<b>France</b>				
M/s Agfa- Gevaert AG	Jumbo rolls	*****	*****	22%
Any other Exporter	Jumbo rolls/cut sheets	*****	*****	22%
<b>Hungary</b>				
M/s Forte Photochemical Co. Ltd.	Cut sheets	*****	*****	219.4%
Any other exporter	Jumbo rolls/cut sheets	*****	*****	219.4%

## 6. INJURY AND CAUSAL LINK

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, we may consider such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

The authority notices that the dumped subject goods have been in both cut sheet form and also in master rolls/jumbo rolls form. However, the domestic industry is supplying the subject goods in cut sheet form only and, therefore, the effect of these dumped imports in the cut sheet market is appropriate for evaluation of injury. The Authority observes

- a) that the landed value of dumped imports i.e. black and white photographic paper both RC and fibre based in cut sheet form

from Hungary have forced the domestic industry to sell at prices, which have led to net sales realisation below the non-injurious selling price (NIP) as determined for the domestic industry during the POI.

- b) The dumped exports of Black and White photographic paper in RC type jumbo rolls from France by M/s Agfa Gevaert have been imported by M/s Jindal Photo Films Ltd. and have been processed by the importer and converted to cut sheets and delivered to the users in the domestic market at price net of taxes lower than the NIP thus leading to price undercutting and consequential injury to the domestic industry.
- c) The exports by M/s Ilford Imaging Ltd. and M/s Kentmere Photographic Ltd. from UK of Black and White photographic paper in jumbo rolls form have been imported by M/s Techno Photo Pvt. Ltd. during the POI. These jumbo rolls have been further cut and processed and packed in the cut sheet form by the importer who the delivered these products at prices (net of taxes) to the end-users at prices lower than the NIP thus leading to price undercutting and consequential injury to the domestic industry
- d) The landed value of black and white photographic paper in cut sheet form exported by M/s Ilford Imaging Ltd. is lower than the NIP determined for the domestic industry thereby leading to price under-cutting and a consequential injury to the domestic industry.

The authority observes that

- (a) Imports of black and white photographic paper both resin coated /fibre based from the subject countries have increased in absolute terms and relative to total imports from 7.2 lakh sqmtr in 97-98 to 8.5 lakh sqmtr in 98-99 and to 10.63 lakh sq mtr in POI.
- (b) Market share of UK, France and Hungary in total imports has changed from 34.2% in 97-98 to 40.4% in POI.
- (c) The net sales realisation (NSR) as constructed on the basis of the conversion charges received in view of job orders performed by them by including the cost of raw base paper in the POI is noticed to be lower than the NIP leading to financial losses.

- (d) The capacity utilisation of M/s HPF which has been to an order of 40 % since 1991 has dropped to 11-22% in 1997 - 98 and to 3.2% in 98-99.

### **CONCLUSION ON INJURY:**

The Authority concludes that

- (a) The imports of subject goods from the subject countries increased in absolute terms from 7.2 lakh sqmtr in 97-98 to 8.5 lakh sqmtr in 98-99 and to 10.63 lakh sqmtr in POI.
- (b) Imports of Black and White Photographic paper both RC and Fibre based in cut sheet form from UK and France increased in absolute terms have suppressed the selling prices of the subject goods by the domestic industry.
- (c) Imports of Black and white photographic paper both RC and fibre based in cut sheet form from Hungary though declined in absolute terms have suppressed the selling prices of the subject goods by the domestic industry.
- (d) NSR for domestic sales of M/s HPF including job orders has been below the NIP, leading to financial losses.
- (e) The demand for the subject goods has remained around 21 lakhs sqmtr per annum since 96-97 till POI and has, therefore, not contributed to the injury due to decline in overall market. The demand has been evaluated on the basis of known imports from subject countries, domestic sales of the domestic industry, and imports from other non-subject countries referenced at a level of 1 lakh sqm per annum as per information available from secondary source viz. informant (provided by the petitioner).
- (f) The market share of M/s HPF has decreased from 11.71% in 97-98 to 6.8% in POI.
- (g) These economic indicators collectively and cumulatively establish that domestic industry has suffered material injury.

### **7. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

It has been argued by interested parties that the levy of anti-dumping duties, the producers will create a monopolistic situation and that this will affect small professional photographers. The Authority holds that the purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping, which is causing injury to the domestic industry and to re-

establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

It is recognized that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of black and white photographic paper. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority has relied upon a non-injurious selling price (NIP) of Black and White photographic paper both resin/fibre based in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production for the domestic industry. The authority observes that M/s NII is related to M/s APIL and is excluded from the scope of domestic industry and that by virtue of M/s NII's relationship with M/s APIL, it may not be appropriate to look at injury parameters of M/s NII in an unbiased manner since sales of M/s NII to M/s APIL do not appear to be at arms length and has, therefore, looked at injury to M/s HPF on account of dumping. However, M/s NII is an interested party being a major domestic producer of the subject goods. Authority has, therefore, calculated NIP by referencing and normating the cost data furnished by M/s NII.

#### 8. LANDED VALUE

The landed value has been determined separately for jumbo rolls and cut sheets after adding applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A, one percent towards landing charges and two percent handling charges for the purposes of preliminary determination pending final investigation.

## 9. ASSESSMENT OF NON-COOPERATING EXPORTERS

For the non-cooperating exporters (indicated as other exporters category), the highest dumping margin as noticed for the cooperating exporters has been referenced. The lowest CIF as noticed for the cooperating exporters co-related with petitioner's data has been referenced for calculation of landed value.

### D. CONCLUSIONS:

It is seen, after considering the foregoing, that:

- a. Black and white photographic paper originating in or exported from UK France and Hungary has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- b. The Indian industry has suffered material injury;
- c. The injury has been caused by the imports from the subject countries viz. Hungary, UK and France.

It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of Black and white photographic paper both jumbo rolls and cut sheet form originating in or exported from the subject countries viz. Hungary, UK and France.

It was considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less which if levied would remove the injury to domestic industry. Landed value of the imports for individual exporters, for the purpose, were compared with the non-injurious selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation. The comparison was made separately for jumbo rolls and cut sheets wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties as set out below be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from Hungary, UK and France falling under Chapter 37, Customs sub-heading 3703.10 and 3703.90 of the Customs Tariff, pending final determination.



Sl.no.	Product originating in or exported from	Name of the exporter	Product (Black & White photographic paper both resin coated and fibre based in the following forms	Amount of duty (US\$/Thousand sq.m)
1.	UK	M/s Ilford Imaging Ltd.	Jumbo rolls/cut sheets	390.7
		M/s Kentmere Photographic Ltd.	Jumbo rolls/cut sheets	434
		Any other exporter	Jumbo rolls/Cut sheets	434
2.	France	M/s Agfa Gevaert AG	Jumbo rolls/cut sheets	33.50
		Any other exporter	Jumbo rolls/cut sheets	33.50
3.	Hungary	M/s Forte Photochemical Co Ltd.	Cut sheets/Jumbo rolls	1698
		Any other exporter	Jumbo rolls/cut sheets	1698

#### **E. FURTHER PROCEDURE**

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;

- c. The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary. No fresh evidence will be accepted at this stage;
- d. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- e. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority